E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 11 | गुवाहाटी | मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अब सीधे सीएम से बात होगी : छात्र नेता पेज 2
धुबड़ी में वामपंथी समूहों के जेल भरो आंदोलन के दौरान 100 से अधिक... पेज 3
प्रधानमंत्री से मुलाकात का मतलब अकाली दल से गठबंधन नहीं : नायब सैनी पेज 5
टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे पर संशय बरकरार... पेज 7

## असम-अरुणाचल सीमा पर फायरिंग, राज्य के आठ लोग घायल, सात की हालत गंभीर

**नॉर्थ लखीमपुर।** असम के धेमाजी जिले में असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास सोमवार सुबह फायरिंग की घटना सामने आई। पुलिस के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश की ओर से आए कुछ लोगों ने असम के ग्रामीणों पर कथित तौर पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस घटना में कम से कम 8 लोग घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना सुबह मिंगमंग बस्ती में हुई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, असम की जमीन पर अरुणाचल प्रदेश के कुछ लोगों द्वारा कथित अतिक्रमण को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। इसी विवाद ने बाद में हिंसक रूप ले लिया। अधिकारी के अनुसार, सीमा के दूसरी तरफ से आए कुछ लोगों ने असम के ग्रामीणों को निशाना बनाकर कथित तौर पर कई राउंड फायरिंग की। गोलीबारी में आठ लोग घायल हुए हैं। घायलों की पहचान दुर्गेश्वर पाटिर, रोहित डोले, नागराज डोले, बिग्गेश्वर पाटिर, पामे पेगू, संजय तायूंग, उत्पल डोले और जन डोले के रूप में हुई है। घटना के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए गोगामुख ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। तीन घायलों को हालत बिगड़ने पर डिब्रूगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में से एक ने आरोप लगाया कि अरुणाचल प्रदेश के पुलिसवालों ने आम लोगों की ड्रेस पहनकर उन पर गोलियां चलाईं, हमले का मकसद असम की तरफ के लोगों को डराना था। घायलों ने यह भी आरोप लगाया कि निचला सुबनसिरी जिले के डिप्टी कमिश्नर का बेटा और एक पुलिस अधिकारी ओमांग ओमले गोलीबारी -शेष पृष्ठ दो पर

## लगभग सुलझ गया सीमा विवाद : सीएम

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि धेमाजी जिले में असम और अरुणाचल प्रदेश के लोगों के बीच हुआ टकराव लगभग सुलझ गया है। यह टकराव गोलीबारी की एक घटना के बाद हुआ था, जिसमें कई लोग घायल हो गए थे और अंतर-राज्यीय सीमा पर तनाव बढ़ गया था। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम सरकार ने स्थिति को शांत करने और तनाव को और बढ़ने से रोकने के लिए एक मंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को अरुणाचल प्रदेश में अपने समकक्षों के साथ बातचीत करने के लिए भेजा है। असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर स्थित मिंगमांग बस्ती में टकराव के दौरान अरुणाचल प्रदेश की तरफ से अज्ञात लोगों द्वारा कथित तौर पर गोलीबारी किए जाने से करीब 18 लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि यह घटना जमीन पर कथित कब्जे को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। बाद में, गंभीर रूप से घायल चार लोगों को डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह ताजा टकराव अरुणाचल प्रदेश के लोअर सियांग जिले (जो असम के धेमाजी जिले से सटा है) में कांगकू सर्कल के पास मिसिंग समुदाय के एक युवक को कथित तौर पर -शेष पृष्ठ दो पर

*बाढ़ के कारण कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में हुई देरी*

## सरकार ने रियायती दाल और चीनी योजना फिर से शुरू की



**गुवाहाटी।** असम सरकार ने सोमवार को राज्य भर के परिवारों के लिए कल्याणकारी उपायों के तहत, नगांव के राहा में रियायती दरों पर लाल मसूर दाल और चीनी का वितरण फिर से शुरू किया। कुछ दिक्कतों के चलते हम फिलहाल नमक उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं, लेकि न कुछ दिनों में आपको नमक मिल जाएगा। हर महीने की 1 तारीख से 10 तारीख तक अन्न सेवा सप्ताह के दौरान आप मुफ्त चावल, चीनी और दाल रियायती दरों पर प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद हम सरसों का तेल और नमक भी उपलब्ध कराना शुरू कर देंगे, जैसा कि मैंने वादा किया था, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा। शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

*विकृत भारत मानचित्र*

## प्रधानमंत्री ने लवलीना के रुख की सराहना की

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लासगो के एक रेस्तरां में भारत के विकृत मानचित्र पर आपत्ति जताने के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता लवलीना बरगोहाईं की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके इस कदम को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। मोदी ने रविवार को अपने आवास पर भारत के राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं के साथ एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं। इस बातचीत का वीडियो प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा सोमवार -शेष पृष्ठ दो पर

## एससी ने केंद्र और राज्य को एनआरसी पहचान पत्र याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया




**गुवाहाटी।** सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और असम सरकारों को 2019 में प्रकाशित अंतिम एनआरसी में शामिल लोगों को पहचान पत्र जारी करने सहित एनआरसी के बाद की प्रक्रियाओं को लागू करने की मांग वाली याचिकाओं के एक समूह पर छह सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने कहा कि अदालत ने सरकारों को एक बार फिर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि आज तीन रिट याचिकाओं पर सुनवाई हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने पीठ को सूचित किया कि सरकार की ओर से याचिकाओं का कोई जवाब नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को एक बार फिर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। वकील ने आगे कहा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

**AFFIDAVIT**

I, Shri Sende Romin, S/o Late Jomsen Bomnyo, resident of Legi village, PO/PS- Liromoba, West - Siang Dist (AP), do hereby declare before Notary Public, West Siang Dist (AP), vide an affidavit Sl. No. 21, dtd. 28/07/2026, have changed surname of our entire family from Romin to Bomnyo and will be Known as Shri Sende Bomnyo, instead of Shri Sende Romin. my wife as Smty Bomnyo Bomnyo, instead of Smty Bomnyo Romin, my sons as Shri Denga Bomnyo, instead of Shri Denga Romin and Shri Deluk Bomnyo. instead of Shri Deluk Romin. Henceforth, I shall be known as Shri Sende Bomnyo, my wife as Smty Bomnyo Bomnyo, my sons as Shri Denga Bomnyo, and Shri Deluk Bamnyo for all purposes.

*विस से बलपूर्वक हटाए गए छात्र, लाठीचार्ज में कई घायल*

# अब सीधे सीएम से बात होगी : छात्र नेता

**रांची।** झारखंड विधानसभा के घेराव को लेकर सोमवार को राजधानी रांची में दिनभर गहमागहमी बनी रही। देर शाम विधानसभा परिसर के आसपास जुटे सैकड़ों आंदोलनकारी छात्रों को पुलिस ने बलपूर्वक वहां से बाहर निकाल दिया। छात्रों को हटाने के दौरान पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया, जिसमें कई छात्रों के चोटिल होने की बात सामने आई है। कार्रवाई के बाद भी छात्रों का आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। छात्र विधानसभा के आसपास ही अलग-अलग जगहों पर डेरा जमाए हुए हैं और आंदोलन जारी रखने का एलान किया है। आंदोलनकारी छात्रों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर बेहद शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप है कि छात्र चुपचाप धरने पर बैठे थे और कि सी तरह का उपद्रव नहीं कर रहे थे। इसके बावजूद पुलिस ने उन्हें वहां से हटाने के लिए बल प्रयोग किया। छात्रों ने दावा किया कि पुलिस की कार्रवाई में कई छात्रों को चोटें आई हैं। पुलिस कार्रवाई से नाराज छात्रों ने सवाल उठाते हुए कहा कि वे अपने हक और भविष्य को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। अब आंदोलनकारियों ने साफ कर दिया है कि अब वे सरकार के कि सी भी प्रतिनिधि या मंत्री से बात नहीं करेंगे। उनकी सीधी मांग है कि मुख्यमंत्री खुद आकर उनसे बात करें। छात्रों ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार तानाशाह न बने। राज्य के युवाओं ने जिस तरह आपको सत्ता के शिखर पर बैठाया है, उसी तरह सत्ता से उखाड़ फेंकने की हिम्मत भी रखते हैं। उनका कहना है कि वे केवल पारदर्शी परीक्षा और सीबीआई (सीबीआई) जांच की वाजिब मांग कर रहे हैं। जिस तरह से शांत छात्रों और पत्रकारों पर लाठियां बरसाई गई हैं, उसे कि सी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब यह लड़ाई सिर्फ छात्रों की नहीं, बल्कि पूरे झारखंड का जन-आंदोलन बनेगा। छात्रों का आरोप है कि जब वे शांतिपूर्ण तरीके से बैठे थे, तब उनके साथ इस तरह का व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए था। कुछ छात्रों ने भावुक होकर कहा कि क्या पुलिसवालों के बच्चे नहीं हैं, क्या वे अपने बच्चों पर भी इसी तरह लाठियां बरसाते। छात्रों ने कहा कि पुलिस के बल प्रयोग से उनका आंदोलन कमजोर नहीं होगा। वे अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने वाले नहीं हैं और आगे भी आंदोलन जारी रखेंगे।

## बातचीत से निकलेगा हल : राहुल

**नई दिल्ली।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने झारखंड़ में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा गड़बड़ी को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को गलत बताया। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को इस मुद्दे को तुरंत सुलझाना चाहिए। झारखंड में छात्रों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। सोमवार को हजारों छात्र झारखंड विधानसभा का घेराव करने निकले। प्रदर्शनकारी छात्र बैरिकेड्स तोड़कर विधानसभा परिसर की ओर बढ़ रहे थे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। एक्स पर राहुल गांधी ने लिखा कि झारखंड में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है, और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना चाहिए।

*स्वतंत्रता दिवस 2026*

# पहली बार लाल किले की प्राचीर से गाया जाएगा वंदे मातरम्

**नई दिल्ली।** 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार लाल किले की प्राचीर से *वंदे मातरम्* गाया जाएगा। इस समारोह की अगुवाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह मौका वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने का भी प्रतीक होगा। पीएम मोदी दिल्ली के इस ऐतिहासिक स्मारक से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और देश को संबोधित करेंगे। बयान में कहा गया कि पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम् गाया जाएगा। इस साल का समारोह *युवा शक्ति* पर केंद्रित होगा, जिसमें 2047 तक *विकसित भारत* बनने की देश की यात्रा में भारत की युवा आबादी के योगदान को उजागर किया जाएगा। संसद ने हाल ही में *राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक* पारित किया है। इसके तहत वंदे मातरम् को अपमानजनक कृत्यों के कानूनी सुरक्षा दी गई है और राष्ट्रीय गीत को राष्ट्रगान के समान कानूनी दर्जा दिया गया है। इस कानून को लेकर लोकसभा में थोड़ी देर के लिए राजनीतिक बहस भी हुई। डीएमके ने इसका विरोध किया और सरकार पर राष्ट्रीय गीत का इस्तेमाल देश को बांटने के लिए करने का आरोप लगाया। हालांकि, भाजपा ने इस संशोधन का बचाव करते हुए कहा कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि नागरिक बिना कि सी बाधा के वंदे मातरम् के प्रति सम्मान व्यक्त कर सकें।

# असम : फेक न्यूज प्रसारित करने के आरोप में दो पोर्टल पत्रकार गिरफ्तार

**चिरांग (हि.स.)।** चिरांग जिले में दो पोर्टल पत्रकारों को फर्जी न्यूज प्रसारित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दोनों पर राज्य के कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका से जुड़ी झूठी और गुमराह करने वाली खबरें प्रसारित करने का आरोप है। गिरफ्तार पत्रकारों की पहचान आजाद अली अहमद और हबीजुल रहमान (जिन्हें हबीब खान के नाम से भी जाना जाता है) के तौर पर हुई है। उन्हें आज सुबह शुरू हुए एक पुलिस अभियान के बाद काजलगांव से गिरफ्तार किया गया। रिपोर्टों के मुताबिक, इन दोनों पत्रकारों ने रविवार को *बोडोलैंड टाइम्स* पोर्टल चैनल पर एक रिपोर्ट प्रसारित की थी, जिसमें पीयूष हजारिका

का नाम शामिल था। रिपोर्ट प्रसारित होने के बाद, हजारिका ने फेसबुक पोर्टल पर अपने खिलाफ झूठी और गुमराह करने वाली खबरें प्रसारित करने का आरोप लगाया। मंत्री ने यह भी कहा कि पोर्टल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और दोपहर में दोनों पत्रकारों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के लिए उन्हें काजलगांव पुलिस स्टेशन ले जाया गया। स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए दोनों पत्रकारों को आगे की पूछताछ के लिए काजलगांव पुलिस स्टेशन से मोरीगांव पुलिस स्टेशन ले जाया जा सकता है।

*संसद ने टैक्स बिल को मंजूरी दी*

# यूपीआई लेनदेन रहेंगे मुफ्त : सीतारमण

**नई दिल्ली (हि.स.)।** संसद ने सोमवार को *कराधान और अन्य कानून संशोधन विधेयक-2026* को ध्वनिमत से पारित कर दिया। राज्यसभा ने विधेयक पर चर्चा के बाद इसको लोकसभा में वापस भेज दिया। इस विधेयक में विदेशी निवेश के नियमों, डिजिटल पेमेंट (यूपीआई/एमडीआर), कच्चे हीरे के व्यापार में छूट और आरईआईटी/ इनविट्स पर टैक्स से जुड़े बदलाव शामिल हैं। इसे लोकसभा ने पहले ही अपनी मंजूरी दे दी थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधान और अन्य कानून संशोधन विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए साफ किया कि यह कानून यूपीआई पर कोई टैक्स नहीं लगाता है और डिजिटल पेमेंट सिस्टम मुफ्त बना रहेगा। पिछले हफ्ते लोकसभा से पास हुए इस विधेयक को राज्यसभा ने वित्त मंत्री के जवाब और संक्षिप्त चर्चा के बाद वॉइस वोट (मौखिक मतदान) से वापस भेज दिया।

# मप्र के राजगढ़ जिले में नाले में ईको कार बही, नौ लोगों की मौत

**राजगढ़ (हि.स.)।** मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के सारंगपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह तेज बारिश के बीच नाले के निर्माणाधीन पुल पर तेज बहाव में ईको कार बहने से ससुर-दामाद के परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। पुलिस के अनुसार ईको कार में सवार परिवार देवास जिले के सतवास थाना क्षेत्र के ग्राम कड़लावद धाम जा रहा था। बताया गया कि शंकरसिंह की पत्नी सागरबाई लकवा की बीमारी से पीड़ित थीं। परिवार उन्हें झाड़फूंक कराने के लिए कड़लावद धाम ले जा रहा था। इसी दौरान तेज बारिश के कारण झिरी नाले में पानी का बहाव काफी बढ़ गया था। हादसे में विशाल (27) पुत्र शंकर सिंह चौहान निवासी ग्राम धांसड, शंकर सिंह (50) पुत्र सोहेबू चौहान, पूजा (25) पत्नी विशाल सिंह, सागरबाई (45) पत्नी शंकर सिंह चौहान, महक (2) पुत्री विशाल, वंशिका (3)पुत्री विशाल, रेणू पंवार (28) पत्नी होकम सिंह पंवार,जसप्रीत (5)पुत्री होकम सिंह और राजवीर (3) पुत्र होकम सिंह पंवार निवासी सतवास, जिला देवास की मौत हुई है।

## *पृष्ठ एक का शेष*

### *असम-अरुणाचल सीमा...*

की घटना में शामिल थे। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें से सात लोगों की हालत गंभीर बताई गई है। गंभीर रूप से घायल सात लोगों को बेहतर इलाज के लिए धेमाजी सिविल अस्पताल रेफर किया गया है। फायरिंग की घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि असम-अरुणाचल सीमा क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। शुरुआती तौर पर जमीन पर कथित अतिक्रमण को विवाद की वजह बताया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है।

### *लगभग सुलझ गया ...*

गोली मारे जाने की घटना के बाद हुआ। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, युवक लापता हो गया था और बाद में उसके पैर में चोट लगी हुई मिली। जिस व्यक्ति ने कथित तौर पर उसे गोली मारी, उसकी पहचान और घटना से जुड़ी परिस्थितियों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। गोलीबारी की इस घटना के बाद असम के धेमाजी और अरुणाचल प्रदेश के लोअर सियांग के निवासियों के बीच टकराव हुआ, जिससे सीमावर्ती इलाके में तनाव बढ़ने की आशंका पैदा हो गई। रिपोर्टों से यह भी पता चला है कि इन घटनाओं के बाद मिसिंग और गैलो समुदायों के सदस्यों के बीच तनाव बढ़ गया है। असम सरकार ने स्थिति को संभालने और सीमा पर शांति बहाल करने के लिए अरुणाचल प्रदेश के अधिकारियों के साथ समन्वय शुरू कर दिया है।

### *सरकार ने रियायती ...*

ने योजनाओं के कार्यान्वयन में देरी का कारण ऊपरी असम में आई विनाशकारी बाढ़ को बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर हमें ऊपरी असम में बाढ़ की स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसके कारण हमारा ध्यान वहीं केंद्रित करना पड़ा। इसी वजह से कुछ देरी हुई। शर्मा के अनुसार, वर्तमान में इस योजना से असम भर में लगभग 70 लाख परिवारों को लाभ मिल रहा है, जिसमें 2,48,11,645 लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नगांव में इस योजना से 3,85,299 परिवार लाभान्वित होते हैं, जिनमें लगभग 15,83,080 लोग शामिल हैं। राहा में 61,614 परिवार लाभान्वित होते हैं, जिनमें लगभग 2.36 लाख लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार आने वाले दिनों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को अधिक सहायता प्रदान करेगी। सरकार ने इससे पहले 1 अगस्त को राज्य भर के लाभार्थियों के लिए अरुणोदोई योजना को फिर से शुरू किया था। चुनाव के बाद, बजट सत्र न चलने के कारण कई योजनाओं को रोकना पड़ा। मैंने समय-समय पर लोगों को सूचित किया था कि जुलाई में बजट सत्र के बाद, हम अगस्त से अपनी योजनाओं को फिर से शुरू करेंगे। 1 अगस्त को हमने अरुणोदोई असोनी योजना को पुन: आरंभ किया; 6 अगस्त को हमने निजुत बाबू और निजुत मोइना असोनी योजनाएं शुरू कीं; और आज हम चीनी और मसूर दाल वितरित कर रहे हैं, शर्मा ने कहा। इस पुन: आरंभ से सरकार के कल्याण कार्यक्रम के तहत रियायती खाद्य वितरण की बहाली का संकेत मिलता है, और आने वाले दिनों में सरसों का तेल और नमक को भी लाभों की सूची में शामिल किए जाने की उम्मीद है।

### *प्रधानमंत्री ने लवलीना ...*

को जारी किया गया। ग्लासगो गेम्स में महिलाओं के 75 कि लोग्राम वर्ग की मुक्केबाजी में रजत पदक जीतने वाली बरगोहाईं की ओर रुख करते हुए, मोदी ने मजाक में उनसे रेस्तरां के कर्मचारियों के साथ हुई उनकी कहासुनी के बारे में पूछा। क्या हुआ वो रेस्टोरेंट वाले से झगड़ा कर रही थी? उसने पूछा। असम में जन्मी मुक्केबाज बरगोहाईं हंसते हुए बोलीं कि एथलीट अपनी सफलता का जश्न मनाने के लिए रेस्तरां गए थे, तभी उन्होंने भारत का एक गलत चित्रण देखा। यह एक खुशी का अवसर था, हम जश्न मना रहे थे और मुझे विकृत झंडा देखना अच्छा नहीं लगा। मैंने विनम्रतापूर्वक उन्हें बताया और उन्होंने बदलाव भी कर दिए हैं, उन्होंने कहा। मोदी ने बरगोहाईं की इस बात के लिए प्रशंसा की कि उन्होंने अपनी खेल उपलब्धि का जश्न मनाते हुए भी मानचित्र के महत्व को ध्यान में रखा। उन्होंने कहा कि खेलों के समापन और जश्न के माहौल में उस नक्शे के महत्व को पहचान पाना, मैं आपको सच बता सकता हूं, वह वीडियो साधारण नहीं था। लोग इसे बहुत लंबे समय तक याद रखेंगे। यह घटना तब सुर्खियों में आई जब बरगोहाईं ने देखा कि ग्लासगो के रेस्तरां में प्रदर्शित भारत के नक्शे से पूर्वोत्तर क्षेत्र गायब था। कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने अभियान के बाद साथी भारतीय एथलीटों के साथ जश्न मनाते हुए उन्होंने इस मुद्दे को रेस्टोरेंट के सामने उठाया था। रेस्टोरेंट ने बाद में तस्वीर को सुधारने पर सहमति जताई। ग्लासगो में बरगोहाईं द्वारा जीता गया रजत पदक उनका पहला राष्ट्रमंडल खेलों का पदक था। उन्होंने ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू के साथ भारत की ध्वजवाहक के रूप में टूर्नामेंट में प्रवेश किया था। इस संवाद के दौरान मोदी ने खिलाड़ियों से खेलों से पहले और खेलों के दौरान के उनके अनुभवों के बारे में सुना, साथ ही पदक विजेताओं के साथ कुछ हल्के-फुल्के पल भी साझा किए। ग्लासगो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत समग्र पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा।

### *एससी ने केंद्र और राज्य को ...*

कि भारत के रजिस्ट्रार जनरल ने अपना हलफनामा दाखिल कर दिया है और हमें उसका जवाब दाखिल करने के लिए कहा गया है। अब इस मामले की सुनवाई छह सप्ताह बाद होगी। कानूनी समाचार पोर्टल लाइव लॉ द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने की, जिसे बताया गया कि पहले नोटिस जारी किए जाने के बावजूद, केंद्र और असम सरकार से अभी भी जवाब की प्रतीक्षा है। ये याचिकाएं जमीयत उलेमा-ए-हिंद, अखिल असम अल्पसंख्यक छात्र संघ (आम्सू) और असम संख्यालघु संग्राम परिषद द्वारा दायर की गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जमीयत की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने अदालत को बताया कि केंद्र और राज्य ने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है और उन्होंने भारत के रजिस्ट्रार जनरल (आरजीआई) द्वारा पहले से प्रस्तुत हलफनामे पर प्रत्युत्तर दाखिल करने की अनुमति मांगी। पीठ ने पूर्व एनआरसी राज्य समन्वयक हितेश देव शर्मा द्वारा दायर एक अलग याचिका से संबंधित एक अंतरिम आवेदन पर भी ध्यान दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष गोस्वामी ने कहा कि शर्मा की याचिका में ऐसे मुद्दे उठाए गए हैं जो लंबित याचिकाओं से काफी हद तक जुड़े हुए हैं और उन्होंने इसे चल रही कार्यवाही के साथ जोड़ने की मांग की है। लाइव लॉ द्वारा उल्लेखित जानकारी के अनुसार, शर्मा की याचिका में एनआरसी के पुन: प्रमाणीकरण और पुन: सत्यापन की मांग की गई है, इस आधार पर कि अंतिम सूची में कथित तौर पर अशुद्धियां हैं, जो कि वर्तमान याचिकाओं में मांगी गई राहतों से भिन्न है। केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी की दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने निर्देश दिया कि शर्मा की याचिका को अन्य मामलों के साथ जोड़ दिया जाए और जवाब दाखिल करने के बाद उस पर सुनवाई की जाए। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि यद्यपि अंतिम एनआरसी अगस्त 2019 में प्रकाशित हो गया था, लेकि न अधिकारियों ने कानून के तहत निर्धारित अगले अनिवार्य कदम पूरे नहीं किए हैं। उनका तर्क है कि राष्ट्रीय जनगणना (एनआरसी) में शामिल 3.11 करोड़ व्यक्तियों को नागरिकता (नागरिकों का पंजीकरण और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करना) नियम, 2003 के नियम 13 के तहत परिकल्पित अनुसार पहचान पत्र जारी नहीं किए गए हैं। याचिकाकर्ताओं में से एक से जुड़े एक प्रतिनिधि ने कहा कि मुख्य मांग यह थी किएनआरसी में शामिल लोगों को पहचान पत्र दिए जाएं, जबकि जो लोग इसमें शामिल नहीं हैं उन्हें अस्वीकृति पर्ची और अपील करने का अवसर प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि एनआरसी की अंतिम सूची प्रकाशित हो चुकी है और इसके तहत पंजीकृत लोगों को पहचान पत्र मिलने चाहिए तथा बाहर किए गए 19 लाख लोगों को अपील का अवसर मिलना चाहिए। राज्य ने अपना हलफनामा दाखिल नहीं किया है, और यदि उसने ऐसा किया होता तो मामला आगे बढ़ चुका होता। याचिकाओं में आगे यह तर्क दिया गया है कि एनआरसी से बाहर किए गए लगभग 19 लाख व्यक्तियों को अस्वीकृति पर्ची जारी नहीं की गई है, जिससे उन्हें संबंधित नियमों के तहत प्रदान किए गए अपील करने से रोका जा रहा है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, इन कदमों को न उठाने से एनआरसी प्रक्रिया अधूरी रह गई है और इसमें शामिल और बाहर रखे गए दोनों ही व्यक्तियों के अधिकारों पर असर पड़ा है।

# विस घेराव के दौरान वाटर कैनन की बौछार के बीच झूमे छात्र, बैरिकेड पर चढ़कर किया डांस

**रांची (हि.स.)।** झारखंड में जेपीएससी, जेएसएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में सोमवार को छात्र अभ्यर्थियों के विधानसभा घेराव मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई के बीच प्रदर्शनकारियों का अनोखा अंदाज भी देखने को मिला। पुलिस के लाठीचार्ज और वाटर कैनन के इस्तेमाल के बावजूद कई छात्र पीछे हटने के बजाय उत्साह के साथ झूमते और नारेबाजी करते नजर आए। वाटर कैनन से निकल रही पानी की तेज बौछारों के बीच कुछ छात्र सड़क पर ही नाचते और झूमते रहे। वहीं, एक छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर नृत्य करता दिखाई दिया। कई प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर नारेबाजी करते हुए डांस किया। कुछ छात्रों ने तो वाटर कैनन की बौछार के बीच साबुन लगाकर नहाना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों के इस अंदाज ने मौके पर मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया। पुलिस की कार्रवाई के बावजूद प्रदर्शनकारियों का एक वर्ग मौके पर डटा रहा। छात्र लगातार सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। उनका कहना था कि वे अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने वाले नहीं हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका आंदोलन केवल तत्काल विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके भविष्य और रोजगार के अधिकार से जुड़ा मुद्दा है। इसी दौरान कुछ युवा स्पाइडरमैन और भालू का रूप धारण कर प्रदर्शन में पहुंचे। दोनों अलग-अलग वेशभूषा में प्रदर्शनकारियों के बीच आकर्षण का केंद्र बने रहे। उनके अनोखे अंदाज ने पुलिस कार्रवाई और नारेबाजी के बीच कुछ समय के लिए प्रदर्शन स्थल का माहौल हल्का और जीवंत कर दिया। प्रदर्शन में शामिल राहुल कुमार, प्रवीण कश्यप और रवींद्र कुमार समेत अन्य छात्रों ने कहा कि उनका आंदोलन महज विरोध-प्रदर्शन नहीं, बल्कि उनके भविष्य से जुड़ा सवाल है। छात्रों के अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में युवा कई वर्षों तक मेहनत करते हैं और अपनी आर्थिक तथा व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को पीछे छोड़कर सरकारी नौकरी की तैयारी करते हैं। छात्रों ने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार कथित अनियमितताओं और धांधली की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे राज्य के युवाओं में अपने भविष्य को लेकर असुरक्षा बढ़ रही है। उनका कहना था कि वर्षों की कड़ी मेहनत और पढ़ाई के बाद भी भर्ती प्रक्रिया को लेकर सवाल उठने से अभ्यर्थियों का भरोसा प्रभावित होता है। छात्रों ने आरोप लगाया कि यदि पढ़ाई और मेहनत के बाद भी नौकरी हासिल करने के लिए रिश्वत की मोटी रकम देने जैसी शिकायतें सामने आती रहेंगी तो भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी की प्रक्रिया में पैसे के खेल से जुड़ी शिकायतें लगातार सामने आने से युवाओं का पूरी व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हो सकता है। छात्र अभ्यर्थियों ने झारखंड सरकार से प्रतियोगी परीक्षाओं की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और कि सी भी स्तर पर गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं छोड़ने की मांग की।

## रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, दो गिरफ्तार

**कछार (हिंस)।** असम के सिलचर में रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर कथित तौर पर पैसे ऐंठने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिजीत डे (44) और देबातोष भट्टाचार्य (52) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर खुद को रेलवे से जुड़ा अधिकारी बताकर नौकरी के इच्छुक युवाओं से 35 से 40 हजार रुपये तक अग्रिम राशि ली थी।

# सऊदी अरब की सोफा फैक्ट्री में भीषण आग का तांडव, 16 बांग्लादेशी जिंदा जले

**रियाद।** सऊदी अरब की राजधानी रियाद में एक दर्दनाक हादसे ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। मूसा सनैया इलाके में रविवार को एक सोफा बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि अंदर मौजूद 16 बांग्लादेशी नागरिकों की मौत हो गई। घटना की पुष्टि बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने की है। रियाद के मूसा सनैया इलाके में स्थित सोफा बनाने वाली फैक्ट्री में रविवार को अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से 16 बांग्लादेशी नागरिकों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही रियाद स्थित बांग्लादेशी दूतावास के अधिकारियों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची। दूतावास के अधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर हादसे की जानकारी जुटाने और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू की। इसके साथ ही पीड़ितों और उनके परिवारों से संबंधित जरूरी जानकारी भी जुटाई जा रही है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बताया कि सरकार इस मामले में सऊदी अधिकारियों के लगातार संपर्क में है। मृतकों के शवों से जुड़ी कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को पूरा कराने के लिए दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है।

# कोलंबिया में 7.4 तीव्रता के भूकंप से दहशत, कई इमारतें क्षतिग्रस्त

**बोगोटा (हि.स.)।** दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया सोमवार सुबह शक्तिशाली भूकंप के झटकों से हिल उठा। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई। तेज झटकों के बाद कई इलाकों में अफरा-तफरी मच गई और लोग सुरक्षा के लिए अपने घरों तथा इमारतों से बाहर निकल आए। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 7 बजे आए भूकंप का केंद्र राजधानी बोगोटा से लगभग 400 कि लोमीटर पश्चिम में पालमार क्षेत्र के आसपास बताया गया है। भूकंप के झटके पड़ोसी देश इक्वाडोर में भी महसूस किए गए। भूकंप के कारण कई इमारतों को नुकसान पहुंचने और कुछ संरचनाओं के गिरने की खबर है। एहतियात के तौर पर कई भवनों को खाली कराया गया। स्थानीय रिपोर्टों में सैकड़ों लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, नुकसान और हताहतों का वास्तविक आंकड़ा सामने आने में अभी समय लग सकता है।

**NOTICE**

**No.E-676828/67 Dated : 10-08-2026,**

It is for the information to all **Teachers and Head of Institutions** under School Education Department, Govt. of Assam, that the last **date of submission of online application / self nomination for the "State Award to Teachers 2026"** has been extended up to **12-08-2026 at 05:00 pm.**

All willing teachers are requested to visit the web portal **http://shikshak.assam.gov.in** and submit their applications on or before **12- 08-2026.**

All relevant information and guidelines are available on the web portal.

*-- DIPR /D/ VBS-48/*
*11-Aug-26*

Director
Secondary Education, Assam
Kahilipara,Guwahati-19

## राज्य में बदल रहा सियासी समीकरण, फिर अजमल का हाथ थामने की ओर कांग्रेस

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम की राजनीति में एक बार फिर बड़ा सियासी बदलाव होने के समीकरण बन रहे हैं। नगांव लोकसभा सीट पर उपचुनाव से पहले कांग्रेस ने एक बार फिर बदरुद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन की दिशा में कदम बढ़ाया है। कांग्रेस नेता रिपुन बोरा ने रविवार को एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन की इच्छा जताई थी। इसके बाद आज कांग्रेस नेता वाजेद अली चौधरी ने भी गठबंधन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जो भी भारतीय जनता पार्टी की जीत नहीं चाहता, उसे कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नगांव सीट पहले से ही कांग्रेस के पास है इसलिए इस सीट पर एआईयूडीएफ कांग्रेस का समर्थन करे। इधर, एआईयूडीएफ नेता रेजाउल करीम सरकार ने भी कांग्रेस के साथ गठबंधन की मांग का समर्थन किया है। दोनों दलों के नेताओं के इन बयानों से नगांव उपचुनाव से पहले कांग्रेस और एआईयूडीएफ के बीच फिर से राजनीतिक नजदीकी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

## धुबड़ी में वामपंथी समूहों के *जेल भरो* आंदोलन के दौरान 100 से अधिक हिरासत में लिए गए

**धुबड़ी ( हिंस )।** सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीआईटीयू), ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस), ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक विमेंस एसोसिएशन (एआईडीडब्ल्यूए), डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) और स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के सदस्यों ने सोमवार को धुबड़ी में *जेल भरो* विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियों को *मजदूर और किसान-विरोधी* बताया। ज्ञात हो कि इस तरह का आंदोलन शोणितपुर जिला मुख्यालय तेजपुर में भी आयोजित किया गया। यह विरोध प्रदर्शन वामपंथी संगठनों द्वारा शुरू किए गए देशव्यापी कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था। इसका मकसद सरकारी नीतियों के खिलाफ जनमत तैयार करना था, जिनके बारे में उनका आरोप था कि वे मजदूरों, किसानों, खेतिहर मजदूरों और समाज के अन्य वर्गों पर बुरा असर डाल रही हैं। संगठनों ने कहा कि यह कार्यक्रम 1942 के *भारत छोड़ो आंदोलन* की भावना से प्रेरित था। उन्होंने देश के संसाधनों और कामकाजी लोगों के अधिकारों को *कॉर्पोरेट-संचालित नीतियों* से बचाने के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। एक संयुक्त बयान में, उन्होंने आरोप लगाया कि मजदूरों के अधिकारों

और कल्याणकारी उपायों-जिनमें पेंशन, चिकित्सा लाभ और वेतन से जुड़े प्रावधान शामिल हैं-में कटौती की जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि छोटे और मध्यम उद्योगों के बंद होने से नौकरियां गई हैं, जबकि स्थायी रोजगार की जगह तेजी से अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) पर नियुक्तियां और आउटसोर्सिंग ले रही हैं। संगठनों ने बेरोजगारी पर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि कॉर्पोरेट मुनाफे में बढ़ोतरी के साथ-साथ कामकाजी लोगों की क्रय शक्ति (खरीदने की क्षमता) घट रही है और आर्थिक मुश्किलें बढ़ रही हैं। कृषि के मुद्दे पर, समूहों ने आरोप लगाया कि किसानों को उनकी जमीनों से बेदखल किया जा रहा है और जमीन कम कीमत पर बड़े कॉर्पोरेट घरानों को दी जा रही है। उन्होंने भूमिहीन किसान परिवारों और खेतिहर मजदूरों के लिए सरकार की अपर्याप्त मदद की भी आलोचना की। संगठनों ने असम के विभिन्न हिस्सों में बेदखली अभियानों का विरोध किया, जिनमें पर्वतझोरा से लेकर काजीरंगा इलाके तक के क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे अभियानों से किसानों और आम निवासियों पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने सैटेलाइट शहर विकसित करने के नाम पर तिवा समुदाय के सदस्यों को कथित तौर पर बेदखल किए जाने का भी विरोध किया। उनका दावा था कि ऐसे कदमों से लंबे समय से बसे समुदायों के बजाय कॉर्पोरेट हितों को फायदा होगा। समूहों ने आरोप लगाया कि ऐसी नीतियों का विरोध करने वाले लोगों को गिरफ़्तार किया जा रहा है। इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया। सोमवार के कार्यक्रम के तहत, 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों ने धुबड़ी रेलवे स्टेशन परिसर से एक रैली निकाली। यह जुलूस स्टेशन रोड से गुजरा, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और धुबड़ी पुलिस स्टेशन ले गई। आयोजकों ने मजदूरों, किसानों, खेतिहर मजदूरों और समाज के अन्य वर्गों से उस आंदोलन में शामिल होने की अपील की, जिसे उन्होंने शोषण, विस्थापन और लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक के खिलाफ बताया।

## गौहाटी विश्वविद्यालय में पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का केंद्रीय दीक्षा समारोह आरंभ

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गौहाटी विश्वविद्यालय में पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का केंद्रीय दीक्षा समारोह आज से आरंभ हुआ। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में असम के पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह और विशिष्ट अतिथि असम गौरव मीनाक्षी दास उपस्थित रहे। नए सपनों, नई संभावनाओं और ज्ञान की तलाश के साथ उच्च शिक्षा के एक नए अध्याय की शुरुआत के उद्देश्य से सोमवार को गौहाटी विश्वविद्यालय में पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का केंद्रीय दीक्षा समारोह का शुभारंभ आज संपन्न हुआ। कक्षाओं के सचिव डॉ. रंजन कुमार काकती के प्रारंभिक भाषण से शुरू हुए इस कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण देते हुए कुलपति प्रोफेसर ननी गोपाल महंत ने कहा कि गौहाटी विश्वविद्यालय केवल उच्च शिक्षा का एक संस्थान नहीं है, बल्कि यह असम की एक जीवंत विरासत और उत्तर-पूर्व का प्राचीन ज्ञान केंद्र है। असम की जनता की आकांक्षाओं और भारत रत्न गोपीनाथ बरदलै के दूरदर्शी नेतृत्व के परिणामस्वरूप स्थापित यह विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नवाचार के माध्यम से अपनी विरासत को लगातार समृद्ध कर रहा है। हमें पूरा विश्वास है कि नए छात्र ज्ञान की खोज करेंगे, नए कौशल सीखेंगे और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों का सर्वोत्तम उपयोग करेंगे। हमें पूरी आशा है कि वे गौहाटी विश्वविद्यालय के मूल्यों और परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए असम और देश के विकास में सार्थक योगदान देंगे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, दृढ़ता और जिम्मेदारी की भावना का होना बहुत जरूरी है। उन्होंने छात्रों से अपने लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें दृढ़ संकल्प, निष्ठा और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित असम गौरव पुरस्कार से सम्मानित, फिटनेस ट्रेनर और एडवेंचर बाइकर मीनाक्षी दास ने अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए छात्रों को आत्मविश्वास, दृढ़ता और संकल्प के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ. धूर्जति शर्मा द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में कुलसचिव प्रोफेसर उत्पल शर्मा, शैक्षणिक कुलसचिव प्रोफेसर राजीव हैंडिक, स्नातकोत्तर छात्र संघ के अध्यक्ष गुंजन डेका, विभिन्न संकायों के डीन, प्रोफेसरों के साथ-साथ अभिभावक और छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

## नगांव में व्यापक कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ *हर घर तिरंगा* अभियान

**नगांव ( निसं )।** देश के अन्य हिस्सों के साथ नगांव जिले में भी कल से *हर घर तिरंगा* कार्यक्रम शुरू हो गया है। इस कार्यक्रम के तहत आगामी 12 अगस्त को नगांव शहर से बाइक रैली निकाली जाएगी। आज नगांव जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला सड़क सुरक्षा समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाली यह बाइक रैली जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करेगी और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने का प्रयास करेगी। 13 अगस्त को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर शाम को मोमबत्ती लेकर रैली निकाली जाएगी। जिला आयुक्त ने कहा कि इस वर्ष स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव तथा *वंदे मातरम्* गीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर स्वतंत्रता दिवस विशेष रूप से मनाने की तैयारी की गई है। इसी उद्देश्य से लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए 9 अगस्त से ही *हर घर तिरंगा* कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके तहत विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नगांव के शहीद भवन में *वंदे मातरम्* पर एक प्रदर्शनी तथा विभाजन के भयावह दौर से संबंधित एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई है। जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अवसर पर सभी नागरिकों से अपने-अपने घरों में पहले से ही राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आह्वान किया। 15 अगस्त को नगांव शहर के नुरुल अमीन स्टेडियम में जिला स्तरीय मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा।

## विश्वनाथ में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का जिलास्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ

**बिश्वनाथ ( विभास )।** स्वस्थ, कृमिमुक्त और स्वस्थ पीढ़ी के संकल्प के साथ आज बिश्वनाथ में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) 2026 के प्रथम चरण का कार्यक्रम औपचारिक रूप से शुरू किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बिश्वनाथ चारिआली के चारिआली आदर्श विद्यापीठ में किया गया। इसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य, बिश्वनाथ चारिआली बीपीएचसी के एसडीएम एंड एचओ, डीजीएम एवं डीएएम, एसएसए के अधिकारी, बीपीएमयू के कर्मचारी, आमंत्रित अतिथि, शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. जोगेन चंद्र बे ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों और किशोर-किशोरियों में कृमि संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एल्बेंडाजोल की गोली बहुत महत्वपूर्ण है। नियमित रूप से कृमिनाशक दवा लेने के स्वास्थ्य लाभ बताते हुए उन्होंने सभी छात्रों से इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। एसडीएमएंडएचओ बिस्वनाथ चारिआली बीपीएचसी और विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कृमि संक्रमण से बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, हाथ अच्छी तरह धोने, जूते-चप्पल पहनने, स्वच्छ शौचालय का उपयोग करने और साफ भोजन व पानी पीने पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 2026 का प्रथम चरण 10 अगस्त 2026, का जिले के सभी एडब्ल्यूसी, स्कूलों और घर-घर में मनाया गया।

## बिलासिपाड़ा मारवाड़ी एसोशिएशन का मुख्यमंत्री राहत कोष में एक लाख 51000 का अनुदान

**कोकराझाड़ ( विभास )।** बिलासीपाड़ा मारवाड़ी एसोशिएशन के द्वारा राज्य में आई भीषण बाढ़ विपदा की घड़ी में अपर असम के जोरहाट शिवसागर में बाढ़ के द्वारा जो तबाही का मंजर दिखा उसी के मध्य नजर मारवाड़ी संगठन के द्वारा स्थानीय विधायक जीवेश राय के हाथों में 151000 का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष में दीया गया। बिलासीपाड़ा मारवाड़ी संगठन हमेशा मानव सेवा कार्य में तत्पर खड़ा नजर आता है स्थानीय विधायक महोदय जीवेश राय ने मारवाड़ी संगठन को इस कदम की बहुत-बहुत प्रशंसा की साथ में उन्होंने कहा हम सब मिलकर बिलासीपाड़ा को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाएं आप लोग का सहयोग की जरूरत मुझे भी है इस बीच विधायक महोदय से मिलने के लिए मारवाड़ी संगठन के अध्यक्ष नरेंद्र सेठिया सचिव प्रिंस अग्रवाल प्रार्थना सभापति गणेश सेठिया उपसभापति रमेश अग्रवाल सदस्य सुरेश चौरडिया एवं मनोज चोरड़िया आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

## मारवाड़ी युवा मंच, नागांव समृद्धि शाखा ने अमृतधारा की स्थापना की

**नगांव ( निसं )।** शनिवार को नागांव समृद्धि शाखा ने अपनी चौथी अमृतधारा का शुभ उद्घाटन किया। उक्त अमृतधारा नगांव के नजदीक गांव जुरिया (ब्लॉक) के महगुरी एल.पी. स्कूल में स्थापित किया गया। समृद्धि शाखा के लिए गर्व और खुशी का क्षण है कि सेवा के इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंद स्कूल और बच्चों तक शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहे हैं। समृद्धि शाखा अमृतधारा की संयोजिका रूचिका चौधरी का अध्यक्ष श्वेता जयदीप अग्रवाल ने धन्यवाद दिया जिन्होंने इतने सुंदर तरीके से अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए इस सेवा कार्य को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस आशय की जानकारी शाखा कि सचिव मधू विवेक तोदी ने दी।

## होजाई जिला प्रशासन ने *हर घर तिरंगा* अभियान का किया आगाज

**होजाई ( निसं )।** देश के स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में होजाई जिला प्रशासन ने 9 अगस्त से *हर घर तिरंगा 2026* अभियान का शुभारंभ किया है, जो 17 अगस्त तक चलेगा। इस वर्ष का यह आयोजन इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि यह *वंदे मातरम्* की 150वीं वर्षगांठ के साथ मनाया जा रहा है, जो देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को नए सिरे से जीवित करने का संदेश देता है। इस अभियान

के बारे में विस्तार से जानकारी देने के लिए श्रीमंत शंकरदेव नगर स्थित जिला मुख्यालय में रविवार को एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान अतिरिक्त जिला आयुक्त (एडीसी) पूजा दास, प्रभारी डीआईपीआरओ व सहायक आयुक्त राखीश्री लखारू और सहायक आयुक्त रूबू बोरा ने मीडिया को संबोधित करते हुए पूरे सप्ताह चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान पूरे जिले में जन-जागरूकता और जन-संपर्क कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज और वंदे मातरम के गौरवशाली इतिहास को दर्शाने वाली प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इसके साथ ही नागरिकों में देशभक्ति का संचार करने और उत्सव का माहौल बनाने के लिए मुख्य बाजारों और रेलवे स्टेशनों को तिरंगे की रोशनी से जगमगाया जाएगा। अभियान के तहत शैक्षणिक संस्थानों में भी कई तरह की प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें 10 अगस्त को पीएम श्री नीलबागान मॉडल हाई स्कूल में क्विज प्रतियोगिता, 11 अगस्त को होजाई गर्ल्स कॉलेज में रंगोली प्रतियोगिता और 13 अगस्त को रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में प्रदर्शनी सह क्विज प्रतियोगिता का आयोजन शामिल है। इस पूरे अभियान का मुख्य आकर्षण 12 अगस्त को निकलने वाली विशाल *तिरंगा बाइक रैली* होगी, जो बिहुतोली रोड, नीलबागान और श्रीमंत शंकरदेव नगर से होकर गुजरेगी। इसके अलावा, आम जनता को राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेल्फी साझा करने के लिए प्रेरित करने वाला एक डिजिटल अभियान भी चलाया जाएगा।

## मुफ्त नामांकन की मांग को लेकर फकीराग्राम कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शन

**कोकराझाड़ ( विभास )।** कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम कॉलेज का मुख्य गेट सोमवार को छात्रों के जोरदार विरोध प्रदर्शन से गूंज उठा। आर्थिक रूप से कमजोर, मेधावी और विभिन्न विषयों में बैकलॉग प्राप्त छात्र-छात्राओं के लिए कॉलेज में मुफ्त नामांकन (फ्री एडमिशन) की सुविधा बहाल करने की मांग को लेकर छात्र सड़क पर उतर आए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने शिक्षा विभाग और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बोड़ोलैंड यूनिवर्सिटी वापस जाओ, *हमें न्याय चाहिए, नामांकन शुल्क मुफ्त करो* और *शिक्षा विभाग हाय-हाय* जैसे नारों से पूरा कॉलेज परिसर गूंज उठा। छात्रों का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई के बीच गरीब परिवारों के लिए कॉलेज की फीस भरना बेहद कठिन हो गया है, जिससे कई प्रतिभाशाली छात्र उच्च शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस गंभीर समस्या पर जल्द ध्यान देते हुए मुफ्त नामांकन की व्यवस्था को तुरंत लागू किया जाए। छात्रों के इस उग्र प्रदर्शन को देखते हुए फकीराग्राम पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। स्थिति को नियंत्रित करने के बाद प्रदर्शनकारी छात्रों ने दोतमा सर्किल अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन जिला आयुक्त के माध्यम से राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को भेजा गया है, जिसमें छात्रों ने अपनी मांगें जल्द पूरी करने की गुहार लगाई है।

## अलख पांडे, फिजिक्सवाला ( पीडब्ल्यू ) के संस्थापक एवं सीईओ ने असम के जोरहाट और शिवसागर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत अभियान का नेतृत्व किया

**शिवसागर/जोरहाट।** असम में हालिया बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के संस्थापक एवं सीईओ अलख पांडे स्वयं जोरहाट और शिवसागर पहुंचे। वे प्रभावित इलाकों में घुटनों तक भरे पानी और लगातार हो रही बारिश के बीच लोगों के साथ खड़े रहे तथा राहत सामग्री के वितरण की निगरानी करते हुए अपने हाथों से जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाई। दिखौ नदी के तटबंध टूटने के बाद जोरहाट और शिवसागर जिले सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में शामिल रहे। बाढ़ का पानी भले ही अब उतर गया हो, लेकिन खेतों में जमी रेत और गाद की मोटी परतों ने खेती को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे कई परिवारों के लिए

अपनी आजीविका दोबारा शुरू करना मुश्किल हो गया है। फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के असम में पढ़ने वाले कई छात्रों ने बाढ़ के दौरान अलख पांडे से संपर्क कर अपने परिवारों और समुदायों की परेशानियां साझा कीं। इन अनुभवों से प्रभावित होकर वे स्वयं जोरहाट और शिवसागर पहुंचे ताकि हालात को करीब से समझ सकें। जो यात्रा एक सामान्य दौरे के रूप में शुरू हुई थी, वह वहां की जरूरतों को देखते हुए एक संगठित राहत अभियान में बदल गई। स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलख पांडे ने 12 ट्रकों में आवश्यक राहत सामग्री बाढ़ग्रस्त इलाकों के लिए रवाना कराई। वे स्वयं इन ट्रकों के साथ प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचे और अपने हाथों से जरूरतमंद परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। राहत सामग्री में चावल, मसूर दाल, सूजी, चीनी, सरसों का तेल, पीने का पानी, डिटर्जेंट, नहाने का साबुन, सैनिटरी पैड, फिनाइल, प्याज, आलू, पशुओं के लिए चारा और मोमबत्तियां शामिल थीं, ताकि परिवारों की शुरुआती जरूरतों को पूरा किया जा सके। बाढ़ में अपनी पढ़ाई का सामान खो चुके छात्रों के लिए अलख पांडे ने किताबों और स्टेशनरी की व्यवस्था भी कराई। जिन गांवों में अधिकांश घर नष्ट हो गए थे, वहां उन्होंने प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी टेंट लगवाए। इसके साथ ही उनके प्रयासों से एक मेडिकल कैंप भी लगाया गया, जहां डॉक्टरों ने त्वचा संबंधी संक्रमण, बुखार और सर्दी जैसी सामान्य बीमारियों के लिए निःशुल्क जांच की, दवाइयां उपलब्ध कराईं और मल्टीविटामिन भी वितरित किए। छात्रों के बीच *अलख सर* के नाम से लोकप्रिय अलख पांडे ने बाढ़ से प्रभावित बच्चों के साथ भी समय बिताया। बच्चों के जीवन में कुछ खुशी और सामान्य माहौल लौटाने के उद्देश्य से वे उन्हें घूमाने ले गए। इस दौरान बच्चों ने कपड़े, जूते और अन्य जरूरी सामान खरीदे, जिसके बाद सभी ने एक रेस्टोरेंट में साथ बैठकर भोजन किया। कई दिनों से कठिन परिस्थितियों और नुकसान का सामना कर रहे इन बच्चों के लिए यह दिन हंसी, बातचीत और खुशी के कुछ अनमोल पल लेकर आया, जिसने उन्हें यह एहसास दिलाया कि वे इस मुश्किल समय में अकेले नहीं हैं। इस पहल के बारे में अलख पांडे, संस्थापक एवं सीईओ, फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में असम से हमारे कई छात्रों ने हमसे संपर्क किया और बताया कि उनके परिवार और समुदाय किन मुश्किलों से गुजर रहे हैं। उनकी बातें सुनकर हमें महसूस हुआ कि हमें खुद वहां जाकर हालात को समझना चाहिए।

## धुबड़ी : गरीबों में बांटे जा रहे पीडीएस चावल को लेकर कालाबाजारी करने का आरोप

**धुबड़ी ( विभास )।** धुबड़ी जिले में अवैध कारोबार का अड्डा बनते जा रहा है, जबकि इस ओर जिला प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार गरीबों के बीच बांटे जा रहे पीडीएस का चावल धड़ल्ले से बाहरी राज्यों तथा सीमा पार बांग्लादेश भेजे जाने का आरोप लग रहा है। इस अवैध कारोबार में जिले के पानबाड़ी क्षेत्र के निवासी मैदुल शेख नामक व्यक्ति का नाम सामने आ रहा है। वहीं सूत्रों से पता चला है कि उक्त इस पीडीएस अवैध रूप से क्रय किए गए सफेद चावल शहर के एक नंबर वार्ड में स्थित मेला मैदान से असम से दूसरे राज्य मेघालय के साथ-साथ बांग्लादेश में भी सप्लाई किया जा रहा है, जो की आने वाले दिनों में जिले के साथ- साथ राज्यभर में फैल सकता है।

संपादकीय

# क्यों उबल रही जेन जी?

**आजकल** चारों तरफ जेन-जी की ऐसी धूम मची है मानो यही एकमात्र राष्ट्रीय मुद्दा और मसला हो! टीवी चैनलों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, राजनीतिक प्रवक्ताओं की बहस कराई जा रही है, युवा चेहरे 'गोलमेज सम्मेलन' की तर्ज पर अपने पक्ष रख रहे हैं, नतीजतन प्रख्यात गायक तथा थिएटर-हस्ती पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंच कर सत्याग्रही युवाओं से संवाद किया। उन्हें 'आरंभ, प्रचंड' वाला गीत सुना कर नई हिम्मत, नया हौसला देने की कोशिश की। जेन-जी आंदोलित हो रही है, लिहाजा देश के विभिन्न हिस्सों में परिदृश्य बदल रहे हैं। देहरादून में दिव्यांग छात्रों ने, जयपुर के एक स्कूल में 'मूक-बधिर' छात्राओं ने, बिहार के मुजफ्फरपुर समेत दिल्ली, केरलम, कर्नाटक, पंजाब आदि राज्यों में छात्रों, युवाओं के विरोध-प्रदर्शनों ने एक नया उबाल पैदा कर दिया है। यह देश की जेन जी है, जिसकी संख्या 37-40 करोड़ बताई जा रही है। इनमें करीब 27 करोड़, 25 फीसदी से अधिक, मतदाता हैं, जिनकी संख्या 2029 के लोकसभा चुनाव तक बढ़ सकती है। 2027 में उप्र, गुजरात समेत सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां करीब 22 फीसदी जेन जी हैं। यदि 5 फीसदी वोट ही इधर-उधर हो गए, तो सत्ता के तमाम समीकरण असंतुलित हो जाएंगे। जेन जी के इन तमाम विरोध-प्रदर्शनों में 'कॉकरोच' अनुपस्थित रहे हैं, लेकिन सी-वोटर के एक सर्वेक्षण में 'प्रमुख कॉकरोच' अभिजीत दिपके को 'नेता' के तौर पर 12 फीसदी से अधिक लोगों ने पसंद किया। बेशक सर्वे का सैंपल साइज सीमित हो, लेकिन यह जनमत भी महत्वपूर्ण है, जबकि दिपके का जेन जी में योगदान 'राजनीतिक-सा' रहा है। अभी उन्हें खुद को जेन जी का प्रतिनिधि चेहरा साबित करना है। सर्वे की इस पसंद की थाह और वजह हम नहीं जानते। बहरहाल जेन जी की प्रासंगिकता के कारण ही प्रधानमंत्री मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 3036 'नव स्नातकों' को संबोधित किया, उन्हें 'गुरु मंत्र' की तरह उपदेश दिया और जेन जी को ताकत मानते हुए उनमें 'भरोसा' जताया। जेन जी देश की ताकत और भविष्य हैं। वे सवाल भी करें, लेकिन समाधान भी खोजें। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रयागराज में अपना 'छात्रों की गूंज' अभियान जारी रखा, लेकिन समझ नहीं आया कि वोट चोरी, नोटबंदी, जीएसटी, अदाणी आदि जेन जी के मसले हैं अथवा शिक्षा-सुधार, व्यवस्था-परिवर्तन, पेपरलीक, भर्तियों की खरीद-फरोख्त जेन जी के बुनियादी सरोकार और उनकी चिंताएं हैं? बहरहाल जेन जी उबल रही है। उसमें आक्रोश, नाराजगी, गुस्सा, उपेक्षा और वंचित होने के भाव हैं, तो उनके भी भयावह और बुनियादी कारण हैं। मसलन-बीते एक दशक के दौरान करीब 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। करीब 1.04 लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक है, जो छात्रों को सभी विषय पढ़ाता है। दुनिया का एक और आश्चर्य...! सरकारी स्कूलों में औसतन 5.1 शिक्षक हैं, जबकि निजी स्कूलों में यह औसत 11.1 है। सरकारी स्कूलों में इतने पद खाली हैं, यदि उन्हें भर लिया जाए, तो बेरोजगारी एकदम नीचे आ जाएगी। करीब 33 लाख छात्र इन एक-अध्यापकीय स्कूलों में पंजीकृत हैं। ऐसे पंजीकरण को ही साक्षरता दर माना जाता रहा है, लिहाजा राष्ट्रीय दर शानदार लगती है। यथार्थ तो बेहद काला और कुरूप है। इन स्कूलों में छात्र पढ़ने जाते हैं अथवा नहीं, इसका कोई डाटा उपलब्ध नहीं है, लेकिन एक भयावह तथ्य जरूर है कि देश में करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं कक्षा तक अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। देश में 69,673 सरकारी स्कूलों में लड़कों के लिए शौचालय नहीं हैं और 46,345 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय की सुविधाएं नहीं हैं। लाइब्रेरी से वंचित 55083 स्कूल हैं, जबकि 4.08 लाख सरकारी स्कूलों में कम्प्यूटर की पूरी सुविधाएं नहीं हैं। विडंबना है कि करीब 48 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में ही पढ़ाई कर पाते हैं, क्योंकि उनके परिवार गरीब, निम्न दर्जे के हैं, निजी स्कूल के खर्चे वहन करने में असमर्थ हैं। ये जेन जी बनेंगे, तो उन्हें पर्याप्त रोजगार कैसे मिलेगा अथवा वे प्रतियोगी परीक्षाओं कैसे पास करेंगे? ऐसे असंख्य आंकड़े और डाटा हैं।

टीवी चैनलों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, राजनीतिक प्रवक्ताओं की बहस कराई जा रही है, युवा चेहरे 'गोलमेज सम्मेलन' की तर्ज पर अपने पक्ष रख रहे हैं, नतीजतन प्रख्यात गायक तथा थिएटर-हस्ती पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंच कर सत्याग्रही युवाओं से संवाद किया। उन्हें 'आरंभ, प्रचंड' वाला गीत सुना कर नई हिम्मत, नया हौसला देने की कोशिश की। जेन-जी आंदोलित हो रही है, लिहाजा देश के विभिन्न हिस्सों में परिदृश्य बदल रहे हैं। देहरादून में दिव्यांग छात्रों ने, जयपुर के एक स्कूल में 'मूक-बधिर' छात्राओं ने, बिहार के मुजफ्फरपुर समेत दिल्ली, केरलम, कर्नाटक, पंजाब आदि राज्यों में छात्रों, युवाओं के विरोध-प्रदर्शनों ने एक नया उबाल पैदा कर दिया है। यह देश की जेन जी है, जिसकी संख्या 37-40 करोड़ बताई जा रही है। इनमें करीब 27 करोड़, 25 फीसदी से अधिक, मतदाता हैं, जिनकी संख्या 2029 के लोकसभा चुनाव तक बढ़ सकती है। 2027 में उप्र, गुजरात समेत सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां करीब 22 फीसदी जेन जी हैं।

कुछ अलग

## डमी एडमिशन पर रोक लगाना जरूरी

**केन्द्र** सरकार ने हाल ही में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन बिल 2026 को संसद से पास करवा दिया, परंतु पेपर्स लीक के अलावा शिक्षा से जुड़े कुछ और अहम मुद्दे हैं जिनमें कोचिंग संस्थान, डमी स्कूल तथा डमी एडमिशन ने हमारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया है। वर्तमान स्कूल व्यवस्था को सुधारा जाना इस समय अति आवश्यक है। रैगुलर प्लस वन/प्लस टू की पढ़ाई के साथ ऑनलाइन कोचिंग लेना तो सही है, परंतु डमी एडमिशन लेकर कोचिंग करना स्कूली शिक्षा के उद्देश्य के विपरीत है। कोचिंग संस्थानों ने बच्चों को सिर्फ नीट, जेईई की मानकीकृत परीक्षा पास करने तक ही सीमित कर दिया है। जेईई और नीट के टैस्ट को पास करने के लिए बच्चों को भारी मानसिक दबाव से गुजरना पड़ता है, माता-पिता को कोचिंग के लिए, कर्ज उठाना पड़ता है तथा पेपर लीक की घटनाएं तो हैं ही इसी का हिस्सा हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना रह गया है जबकि विद्यालय के मूल उद्देश्य ज्ञान, संस्कार, व्यक्तित्व और सामाजिक विकास आदि हैं। हर चीज लाभ के लिए ही नहीं होती है, क्योंकि आज लोकतंत्र को मानवता की भी आवश्यकता है। हमारे समाज को अच्छे इंजीनियर और डॉक्टर के अलावा देश को दिशा देने वाले भी चाहिएं। यही कारण है कि वर्तमान स्कूली व्यवस्था पर गंभीर नीति निर्धारण की आवश्यकता है। दसवीं के बाद कौनसे विषय/संकाय चुनें, यह बहुत ही कठिन निर्णय होता है क्योंकि यही कैरियर की राह की पहली सीढ़ी होती है। विषय चुनने के लिए बच्चों से लेकर माता-पिता पसोपेश में रहते हैं। अंततः बच्चे माता-पिता के सुझाए अनुसार या अपने शिक्षकों की सलाह पर या फिर दोस्तों की देखादेखी में विषय चुन लेते हैं।

### शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया

# भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण

**जंतर-मंतर** से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया।

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा।

भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और



लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे।

विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं 'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः' की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है-विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी-दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है।

यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है-ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय-समय पर धर्म, मर्यादा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति-पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है। फिर वही आंदोलन राजनीतिक दलों, अवसरवादी तत्वों और निहित स्वार्थों के लिए मैदान बन जाता है। परिणामतः मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और आंदोलन का चरित्र बदलने लगता है। यही वह स्थिति है जिससे लोकतंत्र को बचाना है।

नीट और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने भी यही संदेश दिया है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार और संस्थाओं को असाधारण संवेदनशीलता दिखानी होगी। परीक्षा केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होती, वह लाखों परिवारों के वर्षों के परिश्रम, सपनों और आर्थिक-सामाजिक आकांक्षाओं से जुड़ी होती है। यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि उसकी मेहनत निष्पक्ष व्यवस्था में नहीं आंकी गई, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। हाल के छात्र आंदोलनों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में पुलिस की भूमिका भी पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। हर प्रदर्शनकारी अपराधी नहीं होता और हर नारा राष्ट्रविरोधी नहीं होता। पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। राष्ट्रविरोधी गतिविधि और जायज नागरिक असहमति के बीच अंतर करना लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था की पहली कसौटी है।

आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उतर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए।

देश दुनीया से

# अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान

**देश** की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कानूनों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटना—दुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे। संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुर्माना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं। राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी



कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है। पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई। दक्षिण-एशियाई और प्रवासी इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार—हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिन्दा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए। आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सड़क पर गडढा होने से यदि कोई सड़क दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यवसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हो या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती। इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराएं जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी। अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया।

आप का नजरीया

# धर्मशाला कालेज की एक सदी

**किसी** शिक्षण संस्थान के सौ वर्ष का इतिहास महज अध्ययन या डिग्रियों का लेखा जोखा नहीं, बल्कि शिक्षा के वातावरण का सतत निर्माण है। इसी संदर्भ में धर्मशाला को शिक्षा का हब बनने का सबब मिला। आजादी से पहले और अंग्रेजों की बस्ती में मशहूर हुए इस कालेज की परिपाटी एक सदी का अभियान है, जिसने अपनी लौ का चमत्कार उत्तर भारत में किया। कई मशहूर हस्तियां फौज की वर्दी, सिनेमा की स्क्रीन, शिक्षा के आकाश, मीडिया के मयार, प्रशासन की डगर, व्यापार के सफर, उद्योग के मैदान पर और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठा में उदाहरण बनीं, तो कालेज हमेशा मेहनत, जिज्ञासा और प्रतिस्पर्धा के शिविर की तरह रहा। परिसर की अमानत में कई दौर निकले और इन्हीं से निकली पीढ़ियों ने कई कारवां खड़े किए। कई खिलाड़ी कालेज के मैदान से राष्ट्र के रिकार्ड तक पहुंचे तो परिसर में बजी धुनें बालीवुड का संगीत बनीं। यह कालेज जीवन की एक परंपरा और जीने की एक प्रेरणा बना, तो यहां के महान प्रिंसीपल शिक्षा जगत के अध्येता साबित हुए। जाहिर तौर पर यह सामान्य कालेज न था, न है और न रहेगा। इसकी प्रयोगशालाएं गवाह हैं कि छात्र यहां से निकल कर चर्चित डाक्टर-प्रतिष्ठित इंजीनियर बने। यहां कैंपस की चर्चाओं में शरीक होकर कई छात्र, राजनीति में अलंकृत हुए तो उनके साथ सत्ता के अध्याय जुड़ते रहे। ऐसे में कालेज का सौ साला समारोह, संस्थान की गरिमा में कुछ पल बढ़ाने, इसके ढांचे में अगली सदी का संकल्प दिखाने और शैक्षणिक तौर पर इसे आगे बढ़ाने की प्रतिज्ञा जैसा है। विडंबना यह है कि समारोह का सारा तापमान ओल्ड स्टुडेंट एसोसिएशन के कंधे पर है, जबकि विभागीय तौर पर सरकार को इसे शिक्षा तथा छात्र समुदाय की दृष्टि से नया आयाम देने का वचन देना चाहिए। सरकार आसानी से कालेज को स्टेट कालेज का रैंक देते हुए यहां कुछ नए विषयों के राज्य स्तरीय अध्ययन का श्रेष्ठ केंद्र बना सकती है। एक खेल विंग बना कर स्पोट्र्स अथारिटी के हॉस्टल के साथ नत्थी कर सकती है। यहां तिब्बती व डिफेंस स्टडी के सेंटर बना कर परिसर को डीम्ड यूनिवर्सिटी या कलस्टर यूनिवर्सिटी का ताज पहना सकती है। विडंबना यह है कि स्मार्ट सिटी परियोजना शहर की परिक्रमा में यूं तो सरकारी इमारतों के प्रवेश द्वार चमकाती रही, लेकिन सौ साल के ऐतिहासिक कालेज में कोई भी योगदान करने से चूक गई। यहां धर्मशाला के प्रति सरकारों के रवैये का वृत्तांत भी मिलता है। काफी वर्ष पहले कालेज को डीम्ड यूनिवर्सिटी बनाने का फैसला हुआ, लेकिन इसकी कतरब्योंत हो गई। आश्चर्य यह कि वीरभद्र सिंह सरकार के प्रयत्नों से केंद्रीय विश्वविद्यालय यहां पंजीकृत हुआ, लेकिन जदरांगल परिसर आज भी अनाथ साबित हो रहा है। एक साथ मंडी और धर्मशाला कालेज कलस्टर विश्वविद्यालय अनुमोदित हुए, लेकिन यहां की फाइल गुम हो गई, जबकि मंडी में विश्वविद्यालय बन गया। बहरहाल सौ साल के समारोह की तैयारियां करते हुए ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन काफी सक्रिय दिखाई देती है, लेकिन इसे राज्य स्तरीय पहचान देने के लिए हिमाचल सरकार को आगे आना चाहिए।

आजादी से पहले और अंग्रेजों की बस्ती में मशहूर हुए इस कालेज की परिपाटी एक सदी का अभियान है, जिसने अपनी लौ का चमत्कार उत्तर भारत में किया। कई मशहूर हस्तियां फौज की वर्दी, सिनेमा की स्क्रीन, शिक्षा के आकाश, मीडिया के मयार, प्रशासन की डगर, व्यापार के सफर, उद्योग के मैदान पर और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठा में उदाहरण बनीं, तो कालेज हमेशा मेहनत, जिज्ञासा और प्रतिस्पर्धा के शिविर की तरह रहा। परिसर की अमानत में कई दौर निकले और इन्हीं से निकली पीढ़ियों ने कई कारवां खड़े किए। कई खिलाड़ी कालेज के मैदान से राष्ट्र के रिकार्ड तक पहुंचे तो परिसर में बजी धुनें बालीवुड का संगीत बनीं। यह कालेज जीवन की एक परंपरा और जीने की एक प्रेरणा बना, तो यहां के महान प्रिंसीपल शिक्षा जगत के अध्येता साबित हुए। जाहिर तौर पर यह सामान्य कालेज न था, न है और न रहेगा। इसकी प्रयोगशालाएं गवाह हैं कि छात्र यहां से निकल कर चर्चित डाक्टर-प्रतिष्ठित इंजीनियर बने। यहां कैंपस की चर्चाओं में शरीक होकर कई छात्र, राजनीति में अलंकृत हुए तो उनके साथ सत्ता के अध्याय जुड़ते रहे। ऐसे में कालेज का सौ साला समारोह, संस्थान की गरिमा में कुछ पल बढ़ाने, इसके ढांचे में अगली सदी का संकल्प दिखाने और शैक्षणिक तौर पर इसे आगे बढ़ाने की प्रतिज्ञा जैसा है।

दृष्टि कोण

# महंगाई, मानसून और टैरिफ की चुनौतियां

**हाल** ही में 5 अगस्त को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और कमजोर मानसून की चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। जहां खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में कुछ वृद्धि के संकेत हैं, वहीं अन्य क्षेत्रों में महंगाई बढ़ने के संकेत नहीं हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। खास तौर से रेपो रेट (वह ब्याज दर जिस पर बैंक रिजर्व बैंक से कर्ज लेते हैं) को लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखा गया है। इससे होम, ऑटो और अन्य फ्लोटिंग रेट वाले लोन की ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि आने वाले दिनों में मानसून, अल नीनो और पश्चिम एशिया के संघर्ष की वजह से खाने-पीने की वस्तुएं और ईंधन महंगे हो सकते हैं। निःसंदेह इस समय पश्चिम एशिया संकट और अमरीकी प्रशासन की आर्थिक नीतियों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर चौतरफा दबाव देखने को मिल रहा है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत को कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, माल ढुलाई संकट और व्यापारिक बाधाओं जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में प्रस्तुत ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और व्यापारिक अनिश्चितता के चलते जुलाई 2026 में भारत की आर्थिक गतिविधियां पिछले चार वर्षों के सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की राज्य अर्थव्यवस्था रिपोर्ट के अनुसार, यद्यपि भारत की आंतरिक आर्थिक बुनियाद मजबूत है, लेकिन युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक जोखिम और कच्चे तेल की मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था की रफ्तार को प्रभावित कर सकती हैं। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति



अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार ईरान युद्ध के चलते आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे उर्वरक और कृषि से जुड़ी वस्तुओं के आयात में लागत बढ़ी है। इससे ग्रामीण आय और कृषि विकास दर पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही ऊर्जा गलियारों में जारी गतिरोध के कारण माल ढुलाई (फ्रेट) और बीमा लागत में भारी वृद्धि हुई है, जिससे भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है और रुपए पर दबाव बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि इस समय अमरीका से भी भारत के लिए तीन परिदृश्य नई चुनौतियों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। एक, 25 जुलाई को अमरीकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमरीका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। तीन, 1 अगस्त 2026 से अमरीका के द्वारा आयात की जाने वाली भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है। यह चिंताजनक है कि अमरीकी सीनेट में 25 जुलाई को पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमरीका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 100000 डॉलर (लगभग 85.95 लाख रुपए) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है।

# प्रधानमंत्री से मुलाकात का मतलब अकाली दल से गठबंधन नहीं : नायब सैनी

## भगवंत मान को सपने में भी दिखाई देता है हरियाणा का मुख्यमंत्री

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन की संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री से मुलाकात का अर्थ गठबंधन नहीं है। सोमवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री पूरे देश के हैं। अकाली दल पंजाब की प्रमुख पार्टी है। सुखबीर बादल ने पंजाब के हितों की चिंता करते हुए प्रधानमंत्री से मुलाकात करके पंजाब की समस्याओं पर बात की है। इसका यह अर्थ नहीं है कि पंजाब में भाजपा का अकाली दल के साथ गठबंधन होगा। भारतीय जनता पार्टी पंजाब की जनता के साथ गठबंधन कर चुकी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तंज कसते हुए कहा कि पंजाब की जनता से किए वादे पूरे करने में नाकाम रहे पंजाब के मुख्यमंत्री अब हरियाणा की चिंता कर रहे हैं। अब तो भगवंत मान को सपने में भी हरियाणा का मुख्यमंत्री दिखाई देता है। पंजाब के मुख्यमंत्री को पहले पंजाब की जनता से किए गए वादों का हिसाब देना चाहिए और बताना चाहिए कि उनमें से कितने वादे पूरे किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सत्ता में आने से पहले जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन आज पंजाब के लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब चुनाव नजदीक आने पर जनता को फिर से गुमराह करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने शेष हैं और पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा बड़े बड़े मंचों से अब पेंशन के एक-दो महीने के पैसे

डालने की बातें की जा रही हैं। यदि महिलाओं को लाभ देना ही था तो पहले साल से ही क्यों नहीं दिया गया। मुख्यमंत्री ने आम आदमी पार्टी के *कट्टर ईमानदार* होने के दावे पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी खुद को कट्टर ईमानदार कहती थी, लेकिन आज पंजाब की हालत देखकर समझ नहीं आता कि आखिर यह कैसी ईमानदारी है। पहले कांग्रेस ने पंजाब की जनता का शोषण किया और अब आम आदमी पार्टी ने उससे भी आगे बढ ?र शोषण किया है। पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा हरियाणा में कथित पेपर लीक गैंग को लेकर दिए गए बयान पर नायब सिंह सैनी ने कहा कि यदि उन्हें लगता है कि भिवानी में कोई पेपर लीक गैंग चल रहा है, तो पंजाब सरकार अपनी पुलिस से कार्रवाई क्यों नहीं करवाती। उन्होंने कहा कि बिना तथ्यों के आरोप लगाना और राजनीतिक बयानबाजी करना उचित नहीं है।

# झारखंड छात्रों के बीच कब जाएंगे राहुल गांधी : केशव प्रसाद मौर्य

**लखनऊ ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा) के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रयागराज जाने वाले राहुल गांधी झारखंड के छात्रों के बीच जाकर अपना आईना कब देखेंगे ? उप मुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि राहुल, अगर आपकी लड़ाई वास्तव में छात्रों के भविष्य और पारदर्शी परीक्षाओं के लिए है तो झारखंड जाकर आंदोलनकारी अभ्यर्थियों की पीड़ा सुनकर राज्य में अपनी गठबंधन सरकार से जवाब मांगने की हिम्मत करिए। केवल भाजपा शासित राज्यों में सक्रियता और अपनी गठबंधन सरकारों के मामले में निष्क्रियता नहीं चलेगी। आपके राजनीतिक पर्यटन से देश की तरुणाई अब *भ्रमित* नहीं होने वाली। इससे उनका और उनके खानदान का यह दोहरा चरित्र उजागर होता है। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं की कथित धांधलियों, पेपर लीक, भर्ती प्रक्रिया की अनियमितताओं और आमरण अनशन कर रहे युवाओं के मामले में वहां छात्रों की आवाज पर *मौन* साध लेना राहुल जी की *सुविधावादी राजनीति* को उजागर करता है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि देश को नैतिकता का पाठ पढ़ाने के लिए कांग्रेस के पास कोई नैतिक आधार नहीं है। इसके बावजूद उसके बालहठी नेता राहुल गांधी भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को छात्र हित और नैतिकता का पाठ पढ़ाने का दुस्साहस करते हैं। वे मोदी को बदनाम करके नाम कमाना चाहते हैं लेकिन इससे उनका दोहरा चरित्र उजागर होता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि

कांग्रेस आज जनहित की पार्टी नहीं, बल्कि मां-बेटा-बेटी तक सिमटा परिवारवादी राजनीतिक प्रतिष्ठान बन चुकी है। देश के युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों से वास्तविक सरोकार छोड़कर केवल सत्ता के लालच में नौटंकी करने से जनता का विश्वास नहीं मिलता। यही अवसरवादी और दोहरी राजनीति जारी रही तो 2047 तक सत्ता तो दूर, कांग्रेस सत्ता के इर्द-गिर्द भी दिखाई नहीं देगी। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत माता के माथे का सच्चा मुकुट हैं। भाजपा राष्ट्रसेवा, सुशासन तथा विकसित भारत के निर्माण के लिए सदा ही समर्पित हैं।

# पंजाब में पांच प्रतिशत से अधिक फीस नहीं बढ़ा सकेंगे निजी स्कूल

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब विधानसभा में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की सरकार ने सोमवार को विधानसभा में मानसून सत्र के आखिरी दिन स्कूलों का फीस रेगुलेशन बिल पास करवा लिया। इस बिल के पास होने से स्कूलों पर पिछले 3 सालों में अभिभावकों से लिए 5 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी वाले पैसे वापस करने की तलवार लटक गई है।शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने पंजाब रेगुलेशन ऑफ फीस ऑफ अन-एडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। इसमें प्राइवेट शिक्षण संस्थानों की फीस बढ़ाने की सीमा तय की गई है। नए प्रावधान के तहत प्राइवेट संस्थान एक साल में अधिकतम 5 प्रतिशत तक ही फीस बढ़ा सकेंगे। फीस में 5 प्रतिशत बढ़ोतरी करने के लिए संस्थान को 90 दिन पहले अभिभावकों को नोटिस देना होगा। साथ ही फीस बढ़ाने से जुड़ी पूरी जानकारी अपनी वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। कांग्रेस विधायक परगट सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन है कि फीस की कैपिंग आठ प्रतिशत तक रखी जा सकती है। सीएम साहब ने कहा कि कांग्रेस आठ प्रतिशत कैप कांग्रेन ड्रॉप कर दी। मुझे कोई नोटिफिकशेन दिखा दें, जिसमें यह ड्रॉप कर दिया था। पौने पांच साल सरकार को किसने रोका था। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आज के समय उसे सेठ माना जाता है, जिसके बच्चे पढ़े-लिखे होते। उनके पास क्वालिटी एजुकेशन होती। पहले जमीन, प्लॉट, दुकान या शोरूम वालों को बड़ा माना जाता था। पढ़ाई में भी दो तरह की, गरीबों की किताबें अलगी थीं, अमीरों की किताबें और थीं। गरीबों और अमीरों के स्कूलों में टीचर भी अलग थे। गरीबों की पढ़ाई तो गाइडों पर निशानी लगाने तक सीमित रह गई थी।

# पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आरोप : भाजपा सरकार योजनाओं को बंद करने की कर रही साजिश

**जयपुर ( हिंस )।** पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस सरकार के दौरान शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले ही उन्होंने जनता को आगाह किया था कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो योजनाओं को या तो बंद कर देगी या उन्हें कमजोर कर देगी। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर पोस्ट करते हुए कहा कि भले ही भाजपा सरकार ने आधिकारिक आदेश जारी कर योजनाओं को बंद नहीं किया हो, लेकिन उनके अनुसार योजनाओं के लिए आवश्यक आपूर्ति को बाधित किया जा रहा है, जिससे ये योजनाएं धीरे-धीरे निष्क्रिय हो रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को स्कूलों में दूध उपलब्ध कराने वाली बाल गोपाल योजना इसका ताजा उदाहरण है। उन्होंने दावा किया कि पिछले तीन महीनों में केवल 41.9 प्रतिशत मिल्क पाउडर ही स्कूलों तक पहुंच पाया है। गहलोत ने यह भी आरोप लगाया कि भरतपुर, अलवर, उदयपुर, धौलपुर, डीग, खैरथल, बूंदी, नागौर, करौली, जैसलमेर, डीडवाना-कुचामन, बारां, बीकानेर, कोटपूतली-बहरोड़, पाली और प्रतापगढ़ सहित कई जिलों में अप्रैल से सितंबर 2026 की मांग के लिए दूध की आपूर्ति अब तक शुरू नहीं की गई है। गहलोत ने इसे प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि एक *सोची-समझी रणनीति* बताया। उन्होंने कहा कि सरकार सीधे तौर पर योजनाओं को बंद करने की हिम्मत नहीं कर रही, इसलिए आपूर्ति व्यवस्था को बाधित कर उन्हें निष्क्रिय किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह जनकल्याणकारी योजनाओं को खत्म करने की एक साजिश है और भाजपा सरकार का असली चेहरा यही है। गहलोत ने कहा कि उन्होंने पहले ही इस स्थिति को लेकर जनता को आगाह किया था और अब उनके दावे सही साबित हो रहे हैं।

# पंजाब विधानसभा में नौ महत्वपूर्ण विधेयक पारित

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब विधानसभा में सोमवार को मानसून सत्र के अंतिम दिन शिक्षा, बुनियादी ढांचा, कर, रोजगार, ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित 9 महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए, जिससे राज्य में विधायी और नियामक ढांचे को और मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा द्वारा पेश किया गया पंजाब कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर (रेगुलेशन एंड मेंटेनेंस) संशोधन विधेयक, 2026 बहुमत से पारित हुआ। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस द्वारा पेश किया गया द पंजाब रेगुलेशन ऑफ फीस ऑफ अन-एडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस (संशोधन) विधेयक, 2026 सर्वसम्मति से पारित हुआ। सदन द्वारा विश्वविद्यालयों से संबंधित तीन विधेयक भी पारित किए गए। इन विधेयकों में क्लाउड यूनिवर्सिटी, होशियापुर विधेयक, 2026, एम.एस. डिजिटल यूनिवर्सिटी, पटियाला विधेयक, 2026 और फिजिक्सवाला डिजिटल यूनिवर्सिटी, पटियाला विधेयक, 2026 शामिल थे, जिन्हें शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस द्वारा पेश किया गया और बहुमत से पारित कर दिया गया। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा पेश किया गया पंजाब गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (संशोधन) विधेयक, 2026 बहुमत से पारित हो गया। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा पेश किया गया पंजाब राज्य आउटसोर्स्ड परसोनल (ट्रांजिशन टू कॉन्ट्रैक्चुअल एंगेजमेंट) विधेयक, 2026 सर्वसम्मति से पारित हुआ। पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद द्वारा पेश किया गया पंजाब पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2026 बहुमत से पारित हुआ। वन एवं वन्य जीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क द्वारा पेश किया गया पंजाब प्रोटेक्शन ऑफ ट्रीज विधेयक, 2026 भी बहुमत से पारित हुआ।

# तेज रफ्तार कार ने परिवार को कुचला : पिता-बेटी समेत तीन की मौत

**जयपुर ( हिंस )।** मालपुरा गेट थाना क्षेत्र में सांगानेर स्टेडियम के पास रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार परिवार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार चारों सदस्य सड़क पर कई फीट दूर जा गिरे। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रेलर ने पिता और उनकी तीन वर्षीय बेटी को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां और पांच वर्षीय बेटा गंभीर घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से भागने लगा और रास्ते में तीन अन्य वाहनों को भी टक्कर मार दी। पुलिस ने पीछा कर कार चालक और उसके साथी को पकड़ लिया। मालपुरा गेट थानाधिकारी उदयभान यादव ने बताया कि हादसे में प्रताप नगर सेक्टर-19 निवासी विष्णु (35) और उनकी बेटी सृष्टि (3) की मौत हुई है। विष्णु की पतेमा श्चेता केसरी (32) और बेटा चिराग (5) गंभीर घायल हैं।

# जलभराव और बदहाल सड़कों पर कांग्रेस का हल्लाबोल : वाटर कैनन के बीच निगम मुख्यालय का घेराव

**जयपुर ( हिंस )।** पंचायत और निकाय चुनावों की आहट के बीच जयपुर में सोमवार को कांग्रेस ने स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने टोंक रोड स्थित नेहरू प्लेस से पैदल मार्च कर नगर निगम मुख्यालय का घेराव किया। वहीं, झोटवाड़ा और पृथ्वीराज नगर की समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में 200 फीट अजमेर पुलिया से जयपुर विकास प्राधिकरण कूच किया गया। दोनों प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया। नगर निगम के बाहर स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। नगर निगम घेराव के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड पार कर निगम मुख्यालय की ओर बढ़ने का प्रयास करते रहे। पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए दोनों तरफ से वाटर कैनन चलाए। इसके बावजूद कई कार्यकर्ता पीछे हटने के बजाय वाटर कैनन के पानी में खड़े होकर नारेबाजी करते रहे। करीब एक घंटे तक प्रदर्शन जारी रहा।

इस दौरान एक महिला कार्यकर्ता के घायल होकर बेहोश होने की भी जानकारी सामने आई। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास भी प्रदर्शन में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने उन्हें कंधे पर उठाया। वे बैरिकेड पर चढ़कर भाजपा सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि ढाई साल में जनता को राहत देने के बजाय कचरा टैक्स, यूडी टैक्स और स्मार्ट मीटर के नाम पर वसूली का बोझ बढ़ाया गया है। सरकार को जनता की पाई-पाई का हिसाब देना होगा। खाचरियावास ने कहा कि जयपुर की सड़कें गड्ढों में तब्दील हैं, नाले भरे पड़े हैं और बारिश के बाद जलभराव से लोग परेशान हैं। सरकार तत्काल सड़कें दुरुस्त करवाए, गड्ढे भरे और नालों की सफाई कराए। उन्होंने कहा कि वाटर कैनन और बैरिकेड से कांग्रेस की आवाज नहीं दबाई जा सकती। जरूरत पड़ी तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि जनता के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि जयपुर में भ्रष्टाचार चरम पर है और आम जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है। उन्होंने जेडीए और नगर निगम में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि राजधानी की सड़कें टूटी हैं, सफाई व्यवस्था बदहाल है और जलभराव की समस्या बनी हुई है। जयपुर देश-विदेश के पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है, लेकिन शहर की बदहाल व्यवस्था से पर्यटकों और आम लोगों को परेशानी हो रही है। डोटासरा ने कहा कि अपराध पर भी प्रभावी अंकुश नहीं लग रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में भी जनसमस्याएं बने रहने का आरोप लगाया। साथ ही सांगानेर क्षेत्र में भू-माफिया के सक्रिय होने का आरोप लगाते हुए सरकार से कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि मिनी सचिवालय बनाने से पहले क्षेत्र की मौजूदा समस्याओं का समाधान जरूरी है। कांग्रेस जनता की आवाज सड़क से सदन तक उठाती रहेगी। इधर झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र और पृथ्वीराज नगर की समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ता 200 फीट अजमेर पुलिया से रैली के रूप में जेडीए की ओर रवाना हुए। डीसीएम चौराहे के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रैली को रोक दिया। कार्यकर्ताओं ने मौके पर नारेबाजी करते हुए जेडीए तक जाने और आयुक्त को ज्ञापन देने की मांग की। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच काफी देर तक रैली आगे बढ़ाने को लेकर स्थिति बनी रही। बाद में जेडीए अधिकारी राजेंद्र सिंह शेखावत मौके पर पहुंचे और कांग्रेस नेताओं से मांग पत्र लिया। उन्होंने मांगों पर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद कांग्रेस ने जेडीए कूच स्थगित कर दिया। कांग्रेस ने सभी हाईटेंशन लाइनों को भूमिगत करने, गजसिंहपुरा में सेक्शन 72 के नोटिस और तोड़फोड़ की कार्रवाई रोकने, सभी कॉलोनियों में सीवर लाइन बिछाने, डामरीकृत सड़क, बिजली और पानी की सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। इसके अलावा पृथ्वीराज नगर उत्तर की 18 कॉलोनियों को ग्रीन जोन से नियमित करने और पात्र लोगों को जेडीए पट्टे जारी करने की मांग भी उठाई गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि घनी आबादी वाले क्षेत्रों में वर्षों से रह रहे लोगों को नियमों के तहत पट्टे दिए जाएं तथा पीटी सर्वे के बाद सुविधा क्षेत्र में शामिल किए गए भूखंडों से संबंधित समस्याओं का भी समाधान किया जाए। अभिषेक चौधरी ने कहा कि गजसिंहपुरा में हाईटेंशन लाइन और सेक्शन 72 के नोटिस से लोगों में भय है।

# दिव्यांगजन रोजगार मेले में 46 अभ्यर्थियों का चयन

**प्रयागराज ( हिंस )।** दिव्यांगजन को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय प्रयागराज और उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को एक दिवसीय दिव्यांगजन रोजगार मेले का आयोजन किया। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय परिसर में आयोजित मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों ने साक्षात्कार के माध्यम से 46 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। यह जानकारी सहायक निदेशक सेवायोजन प्रयागराज राजीव कुमार यादव ने दी। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में कुल 89 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। निजी क्षेत्र की कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों की योग्यता और कौशल के आधार पर साक्षात्कार लिया तथा चयन की प्रक्रिया पूरी की। मेले में बड़ी संख्या में दिव्यांग अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सहायक निदेशक सेवायोजन प्रयागराज राजीव कुमार यादव ने कहा कि दिव्यांगजन को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। इस तरह के रोजगार मेले युवाओं को सीधे निजी क्षेत्र की कंपनियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार मिलने से दिव्यांगजन न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सेवायोजन कार्यालय और कौशल विकास मिशन के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से अधिक से अधिक दिव्यांग अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में सेवायोजन कार्यालय प्रयागराज एवं उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

# छपरा मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर ओपीडी सेवा बाधित

**सारण ( हिंस )।** राजकीय छपरा मेडिकल कॉलेज में अप्रैल माह से वेतन न मिलने से नाराज 47 जूनियर डॉक्टरों ने सोमवार को कार्य बहिष्कार कर प्रदर्शन किया। डॉक्टरों का कहना है कि अधिकारियों से बार-बार गुहार लगाने के बाद भी बकाए का भुगतान नहीं हुआ, जिससे उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और दैनिक खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। हड़ताल के कारण अस्पताल की ओपीडी सेवा बुरी तरह प्रभावित रहा। सुबह से इलाज कराने पहुंचे मरीजों को डॉक्टरों के न मिलने से भारी परेशानी झेलनी पड़ी और कई मरीज बिना इलाज कराए ही वापस लौटने को मजबूर हुए। मामले को लेकर मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ सीपी जयसवाल ने बताया कि उन्होंने स्थिति की जानकारी सारण के जिलाधिकारी को दे दी है। साथ ही वेतन भुगतान से संबंधित रिपोर्ट भी उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

# देश में *हर हाथ को काम* देने के लिए कार्य करें सरकारें : मायावती

**लखनऊ ( हिंस )।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने देश में बढ़ रही बेरोजगारी और महंगाई पर अपनी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने केंद्र और राज्य की सरकारों से अपील की है कि उन्हें हर हाल में मुनाफाखोरी, लाभ कमाने वाली व्यापारिक सोच, प्रवृत्ति को त्याग कर संविधान की सही मानवतावादी व कल्याणकारी नीति एवं सिद्धांत को पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ अमल करके आगे बढ़ाना होगा, जो *हर हाथ को काम* देने वाली व्यापक देश व जनहित में लाख दुखों की एक दवा है, यही सभी सरकारों से अपील है। बसपा प्रमुख ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि बसपा ने उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार के दौरान पुलिस व पंचायती राज विभाग में लगभग सवा दो लाख नये सरकारी पद सृजित किए। इसके अलावा नौकरियों की भर्ती पर लगी रोक को भी हटाकर सर्वसमाज के कई लाख लोगों की सरकारी नौकरियों में बहाली की। उसके बाद सरकार में न रहने पर काफी लंबे समय से देश में व खासकर यूपी, उत्तराखण्ड व पंजाब अदि राज्यों में व्याप्त जबरदस्त महंगाई, अति-गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, बदतर स्वास्थ्य व्यवस्था, पिछड़ापन एवं उनके मजबूरी के पलायन, महिला असुरक्षा, पेपरलीक व भ्रष्टाचार आदि ज्वलन्त मुद्दों एवं गंभीर समस्याओं के

निदान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग केंद्र व राज्य सरकारों से बार-बार करती रही है। लेकिन सभी सरकारें, पूर्व की कांग्रेसी सरकारों की तरह ही, ज़्यादातर मामलों में उदासीन व लापरवाह ही बनी हुई हैं। देश के बिगड़ते हुए राजनीतिक, आर्थिक, संसदीय व सामाजिक हालात के मद्देनजर अति-दुखद एवं अत्यन्त चिन्तनीय। अब जबकि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नाम से विशेषकर बेरोजगारी व अंधकार भविष्य आदि से पीड़ित व आहत शिक्षित युवाओं ने खासकर दिल्ली में जंतर मंतर पर 36 दिन तक आन्दोलन के जरिये इन ज्वलन्त मुद्दों को राष्ट्रीय महत्व का विशेष व गंभीर चर्चा का मुद्दा बनाया। केंद्र व राज्य सरकारों को देश के करीब सवासौ करोड़ गरीबों, श्रमिकों, युवाओं, महिलाओं व अन्य मेहनतकश लोगों तथा खासकर बेरोजगारी की मार से पीड़ित लाखों परिवारों की वास्तविक चिन्ता, सब कुछ भुलाकर, तत्काल काम देना शुरू कर देना चाहिये। सरकारी नौकरियों पर ख़ास ध्यान देने की जरूरत है। सभी सरकारी विभागों में रिक्त पड़े लाखों पदों पर पेपरलीक व भ्रष्टाचार-मुक्त समयबद्ध भर्तियां तत्काल प्रारंभ किया जाए। इस प्रकार एक परिवार में अगर एक को भी सरकारी नौकरी मिल गयी तो लाखों परिवारों का सीधे तौर पर भला होगा। साथ ही इससे एससी, एसटी व ओबीसी समाज को भी लाभ मिल सकेगा। मायावती ने कहा कि जंतर मंतर में आंदोलित छात्र-छात्राओं व बेरोजगार युवाओं आदि के मुद्दों को लेकर संसद के वर्तमान सत्र में अब तक लगातार जारी गतिरोध को भी समाप्त किया जाना जरूरी है, ताकि बिना समुचित चर्चा के सरकारी विधेयकों को पारित होकर कानून बनने की प्रक्रिया पर भी विराम लग सके।

# जयपुर के दो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में 110 फिल्में नामांकित

**जयपुर ( हिंस )।** जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ट्रस्ट की ओर से आयोजित 9वें आर्यन इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टिवल ऑफ जयपुर (एआईसीएफएफ-2026) और 11वें सिक्सटीन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स (16आईएफएफ-2026) के लिए 110 फिल्मों का चयन किया गया है। दोनों फिल्म समारोह 26 और 27 अगस्त को जयपुर में आयोजित होंगे। दोनों समारोहों के लिए 47 देशों से कुल 527 फिल्में प्राप्त हुई थीं। चयन समिति ने फिल्मों की गुणवत्ता, विषय-वस्तु, रचनात्मकता, प्रस्तुति तथा सामाजिक और मानवीय दृष्टिकोण सहित विभिन्न मानदंडों के आधार पर फिल्मों का चयन किया। एआईसीएफएफ-2026 के लिए 35 देशों से प्राप्त 250 फिल्मों में से 27 देशों की 49 फिल्मों को प्रतियोगिता के लिए नामांकित किया गया है। इनमें 19 शॉर्ट फिक्शन, 11

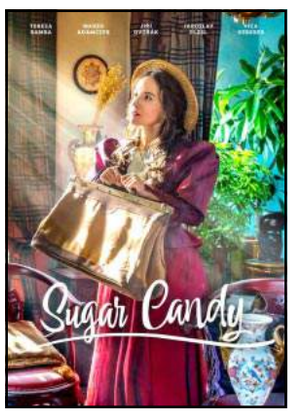


फीचर फिक्शन, 6 शॉर्ट एनिमेशन, 3 एनिमेशन फीचर, 4 शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री, 3 डॉक्यूमेंट्री फीचर, 1 डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट, 1 एनिमेशन शॉर्ट और 1 वेब सीरीज शामिल हैं। 16आईएफएफ-2026 के लिए 38 देशों से मिली 277 फिल्मों में से 21 देशों की 61 फिल्मों को प्रतियोगिता के लिए चुना गया है। इनमें 29 शॉर्ट फिक्शन, 13 फीचर फिक्शन, 13 डॉक्यूमेंट्री फीचर, 3 शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री, 2 शॉर्ट एनिमेशन और 1 डॉक्यूमेंट्री फिल्म शामिल है। दोनों समारोहों में चयनित उपयुक्त फिल्मों की जयपुर के विभिन्न स्कूलों में विशेष स्क्रीनिंग भी की जाएगी। इसके जरिए विद्यार्थियों को देश-विदेश की गुणवत्तापूर्ण फिल्मों से जोड़ने के साथ शिक्षा, रचनात्मकता, सामाजिक जागरूकता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा दिया जाएगा। फिल्मों में बच्चों, परिवार, शिक्षा, पर्यावरण, सामाजिक सरोकार, साहसिक कथाओं, कल्पना और मानवीय मूल्यों जैसे विविध विषय शामिल हैं। ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी हनु रोज ने बताया कि एआईसीएफएफ और 16आईएफएफ के माध्यम से जयपुर को बच्चों, युवाओं और अंतर्राष्ट्रीय फिल्मकारों के बीच फिल्म एवं सांस्कृतिक संवाद के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रयास जारी है।

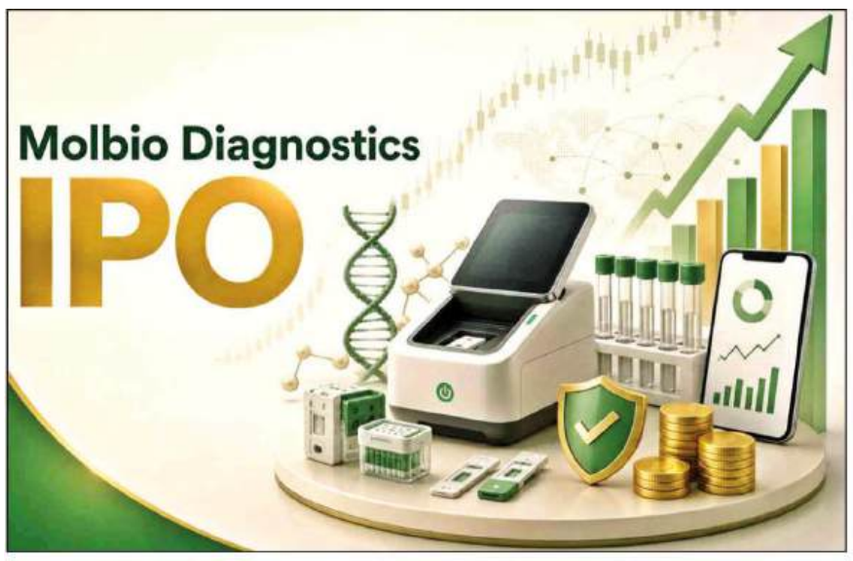


# सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मोलबियो डायग्नोस्टिक्स का आईपीओ, 12 अगस्त तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली

ग्लोबल प्वायंट आफ केयर मालिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स कंपनी मोलबियो डायग्नोस्टिक्स का 939.70 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 12 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 13 अगस्त को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 14 अगस्त को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 768 रुपये से लेकर 807 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 18 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लाट यानी 18 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,526 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,88,838 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 234 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,16,46,246 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 200 करोड़ रुपये के 24,80,246 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 740 करोड़ रुपये के 91,66,000 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए ज्यादा से ज्यादा 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

मोलबियो डायग्नोस्टिक्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 83.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 138.58 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 164.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 840.66 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1,027.94 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 1,455.17 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 174.58 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 123.16 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़ कर 412.64 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

## न्यूज ब्रीफ

### सीएनएच इंडिया की ट्रैक्टर बिक्री 42 प्रतिशत बढ़ी, उत्पादन क्षमता बढ़ाएगी कंपनी

**नई दिल्ली।** कृषि उपकरण विनिर्माता सीएनएच की भारतीय इकाई ने वर्ष 2026 की पहली छमाही में घरेलू बाजार में रिकार्ड 30,248 ट्रैक्टर बेचकर 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और अपनी बाजार हिस्सेदारी को अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंचाया। कंपनी ने बढ़ती मांग और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए ग्रेटर नोएडा में एक चौथे विनिर्माण संयंत्र की स्थापना की भी घोषणा की है, जिससे इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सीएनएच इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी बताया कि जनवरी-जून 2026 में कंपनी की घरेलू ट्रैक्टर बिक्री 42 प्रतिशत बढ़कर 30,248 इकाई रही, जो उद्योग की 25 प्रतिशत वृद्धि से कहीं अधिक है। इस दौरान निर्यात भी 20 प्रतिशत बढ़कर 6,666 वाहन हो गया, हालांकि अमेरिकी शुल्क से शुरुआत में कुछ बाधा आई थी। उन्होंने बेहतर प्रदर्शन का श्रेय प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों, डीलर नेटवर्क विस्तार और वित्तीय सेवा इकाई सीएनएच कैपिटल के सहयोग को दिया। जीएसटी कटौती और अनुकूल मानसून ने पहली तिमाही में बिक्री को गति दी, और पूरे वर्ष मांग अच्छी रहने की उम्मीद है। कंपनी ग्रेटर नोएडा में अपने मौजूदा संयंत्र के पास यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (येडा) से आवंटित 100 एकड़ भूमि पर चौथा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगी। 2028 की शुरुआत में चालू होने वाला यह संयंत्र कंपनी की वार्षिक ट्रैक्टर उत्पादन क्षमता को मौजूदा लगभग 70,000 वाहन से बढ़ाकर करीब 1.20 लाख वाहन कर देगा। सीएनएच इंडिया 2028 की दूसरी छमाही में 25-30 हार्सपावर श्रेणी का नया काम्पैक्ट ट्रैक्टर भी पेश करेगी, जिसे घरेलू और वैश्विक बाजारों में उतारा जाएगा। वर्तमान में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी लगभग 4.5 प्रतिशत है।

### भारत में रिकार्ड निवेश की घोषणाएं, आईटीईएस, बिजली क्षेत्र सबसे आगे

**नई दिल्ली।** बैंक आफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद मौजूदा वित्त वर्ष की शुरुआत से अगस्त के पहले सप्ताह तक भारत में कुल 26.75 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणाएं हुई। इनमें से लगभग 56 प्रतिशत (14.98 लाख करोड़ रुपये) आईटी-आधारित सेवा (आईटीईएस) क्षेत्र में प्रस्तावित है, जिसका लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधित है। बिजली दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी रही, जिसमें 6.86 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इसमें चार परमाणु ऊर्जा कंपनियों का अनुमानित 6.5 लाख करोड़ रुपये का खर्च शामिल है। इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र में लगभग 51,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणाएं हुई, जिसमें दो-तिहाई सोलर सेल और बैटरी से जुड़े हैं। अक्षय ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा, में भी लगभग 25,000 करोड़ रुपये का निवेश होना है।

### बच्चों पर निर्भरता नहीं, पहली सैलरी से करें आत्मनिर्भर भविष्य की तैयारी!

**नई दिल्ली।** भारत में आज भी कई माता-पिता सेवानिवृत्ति के बाद अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए

बच्चों पर आश्रित रहते हैं। हालांकि, महंगाई, एकल परिवारों के बढ़ते चलन और जीवनशैली की बढ़ती लागत के कारण यह व्यवस्था अब उतनी सहज नहीं रही है। ऐसे में वित्तीय विशेषज्ञ युवाओं को सलाह दे रहे हैं कि वे नौकरी शुरू करते ही, अपनी पहली सैलरी से ही, अपने बुढ़ापे के लिए बचत और योजना बनाना शुरू कर दें ताकि एक आत्मनिर्भर भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। इंडियाज फ्यूचर्स इन्वेस्टर्स के मुताबिक संयुक्त परिवार और पेंशन का दौर बीत चुका है। अब एकल परिवारों का चलन है, जहां होम लोन, बच्चों की पढ़ाई और अन्य खर्चों का बोझ एक ही कमाने वाले सदस्य पर होता है। ऐसे में दो अलग-अलग पीढ़ियों का खर्च उठाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। डिजिट लाइफ इंश्योरेंस के एक अधिकारी के अनुसार, आदर्श तौर पर व्यक्ति को कमाई शुरू करते ही सेवानिवृत्ति की तैयारी करनी चाहिए। 20-30 की उम्र में निवेश शुरू करने से कम्पाउंडिंग (ब्याज पर ब्याज) का बड़ा लाभ मिलता है, जिससे छोटी बचत भी लंबे समय में एक बड़ा फंड बन सकती है। हालांकि, जो लोग 40 या 50 की उम्र तक पर्याप्त बचत नहीं कर पाए हैं, उन्हें घबराना नहीं चाहिए।

# धूत ट्रांसमिशन का आईपीओ लान्च 17 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

आटोमोटिव और नान-आटोमोटिव इलेक्ट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम बनाने वाली कंपनी धूत ट्रांसमिशंस का 3,066.89 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 12 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 13 अगस्त को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 14 अगस्त को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 829 रुपये से लेकर 871 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 17 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लाट यानी 17 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,807 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,491 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 221 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 3,52,18,047 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 1,400 करोड़ रुपये के 1,60,80,445 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 1,667 करोड़ रुपये के 1,91,37,602 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए ज्यादा से ज्यादा 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

धूत ट्रांसमिशंस की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 298.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 353.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 396.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 2,799.32 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3,472.24 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4,563.70 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था।

इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 554.90 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 776.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़ कर 841.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

कंपनी का रिजर्व और सरप्लस भी इस अवधि में लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 724.24 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 961.53 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 2,360.40 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था।

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 741.01 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 978.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का नेटवर्थ 2,397.15 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अनिंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2023-24 में 512.40 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 590.96 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 710.99 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

# फ्लिपकार्ट की मिनट्स से क्विक-कामर्स में प्रीमियम ग्रासरी की जंग तेज

नई दिल्ली

देश के तेजी से बढ़ते क्विक-कामर्स बाजार में मुकाबला और भी तीखा हो गया है। दिग्गज ई-कामर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपनी क्विक-कामर्स सर्विस मिनट्स के जरिए अब गारमे और प्रीमियम ग्रासरी सेगमेंट में धमाकेदार एंट्री की है। यह कदम बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और कंपनियों के मुनाफा बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है, जहां अब सिर्फ मिनटों में रोजमर्रा का सामान ही नहीं, बल्कि खास और महंगे उत्पाद भी घर पहुंचेंगे। फ्लिपकार्ट ने अपनी इस नई पहल के तहत ग्राहकों तक खास तरह के प्रीमियम और स्पेशल फूड प्रोडक्ट्स पहुंचाना शुरू किया है।

कंपनी ने इसके लिए पाइकड नाम से अपना एक प्राइवेट लेबल भी लान्च किया है, जिसके तहत चिप्स और नमकीन जैसे खुद के ब्रांड के उत्पाद बेचे जाएंगे। यह बिल्कुल स्विगी इंस्टामार्ट के नाइस प्राइवेट लेबल माडल जैसा है। मिनट्स की नई गारमे रेंज में विदेशी चीज़, प्रीमियम काफी, लक्कड़-प्रेस तेल और घी, रामेन, नूडल्स, चाकलेट्स, कंबुचा और बोबा जैसे विदेशी स्वाद वाले उत्पाद शामिल हैं। कंपनी की योजना है कि वह इस कैटेगरी में कई बड़े और प्रीमियम ब्रांड्स को भी जोड़ेगी। यह कदम क्विक-कामर्स कंपनियों की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। अब ये कंपनियां केवल रोजमर्रा के राशन तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि ग्राहकों को महंगे और उच्च-मूल्य वाले सामान खरीदने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। प्रीमियम उत्पाद जैसे स्पेशल काफी या इंपोर्टेड चीज़, आम किराने के सामान के मुकाबले काफी अधिक कीमत पर बिकते हैं, जिससे कंपनियों का औसत आर्डर साइज़ (जो वर्तमान में 500-700 रुपए हैं) और मुनाफा बढ़ता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत का क्विक-कामर्स बाजार, जो अभी 10-11 अरब डालर का है, साल 2030 तक 65-70 अरब डालर तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे इस सेगमेंट में मुनाफे की दौड़ और तेज होने वाली है। प्रीमियम ग्रासरी सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा पहले ही काफी तीव्र है। जेप्टो अपनी सिलेक्ट सर्विस तैयार कर रहा है, वहीं ब्लिंकिट गारमे रेंज पेश कर चुका है।

**कंपनी ने पाइक्ड नाम से उतारा प्राइवेट लेबल, जेप्टो और ब्लिंकिट को मिलेगी कड़ी टक्कर**

## लोकसभा में खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक पेश

**नई दिल्ली।** केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने लोकसभा में हंगामे के बीच खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को पेश किया। इस विधेयक का मकसद खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में संशोधन करना है। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। जी. किशन रेड्डी ने सदन में विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह विधेयक खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में और संशोधन करने के लिए है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य देश के महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) के अन्वेषण को बढ़ावा देना, खनन क्षेत्र में निवेश को आसान बनाना और खनिज सुरक्षा को मजबूत करना है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में केंद्र सरकार के पास राज्यों के लिए ऐसे नियम तय करने का प्रावधान किया गया है जिसके तहत वे खनन अधिकारों और खनिज वाली जमीनों पर टैक्स, सेस या अन्य लेवी लगा सकें।

# सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है। कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,630 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,51,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी खरीदारों का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

अमेरिका में संशोधित हायरिंग डाटा ने पिछले सत्र के दौरान वाल स्ट्रीट की गति को तेज कर दिया। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,757.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 342.26 अंक यानी 1.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,690.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 53,995.13 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,901.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,714.93 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 179.32 अंक यानी 0.68 प्रतिशत उछल कर 26,319.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। सिंगापुर के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। गिफ्ट निफ्टी 0.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,655.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.20 प्रतिशत उछल कर 3,947.91 अंक के स्तर पर आ गया है।

निक्केई इंडेक्स में जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 1,263.29 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की छलांग लगा कर 66,870 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स में भी जबरदस्त मजबूती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 758.21 अंक यानी 1.71 प्रतिशत की उछाल के साथ 44,984.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,625.23 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि कोस्पी इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,307.23 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 174.27 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,843 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.25 प्रतिशत उछल कर 6,425.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

# टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे पर संशय बरकरार सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रही बीसीसीआई

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के इसी माह के अंत में प्रस्तावित बांग्लादेश दौरे पर संशय बना हुआ है। इसी कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी तक इस दौरे की पुष्टि नहीं कर पाया है। बोर्ड इस मामले में केंद्र सरकार से अनुमति का इंतजार कर रहा है क्योंकि हाल के दिनों में दोनो देशों के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए हालात पहले जैसे नहीं रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई अधिकारियों का मानना है कि वर्तमान हालातों में वे अपने स्तर पर इस दौरे को लेकर अंतिम फैसला नहीं कर सकते हैं।

इसी कारण बोर्ड जल्द ही भारत सरकार से इस मामले में औपचारिक अनुमति मांगेगा। इसी के देखते हुए सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही दौरे को लेकर आगे की योजना तय की जाएगी। दूसरी ओर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि वह सीरीज की मेजबानी को लेकर बीसीसीआई के साथ संपर्क में बना हुआ है। बीसीबी को उम्मीद है कि जल्द ही दौरे को लेकर स्थिति अंतिम फैसला आ जाएगा।

गौरतलब है कि बीसीबी ने इस दौरे के लिए 29 अगस्त से 15 सितंबर तक का विंडो रखा है। इसमें तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। इस कार्यक्रम के तहत ही एकदिवसीय मैच 1, 3 और 6 सितंबर को जबकि टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को रखे गये हैं। भारतीय टीम के 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचने की उम्मीद है, हालांकि यह पूरा कार्यक्रम फिलहाल संभावित ही है और भारत सरकार की अनुमति मिलने के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

इस दौरे पर अनिश्चितता की मुख्य वजह पिछले कुछ समय से दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में आई खटास है। इस साल की शुरुआत में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 की टीम से रिलीज करने का निर्देश दिए जाने के बाद मामला और गंभीर हो गया था। मुस्तफिजुर को आईपीएल 2025 के आक्शन में केकेआर ने 9.20 करोड़ रुपये की बड़ी रकम देकर खरीदा था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने उस समय इस फैसले के पीछे दोनों देशों के बीच हालिया घटनाक्रम का हवाला दिया था।

इस विवाद के बाद बांग्लादेश में भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसके कुछ ही समय बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में आयोजित हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भाग न लेने का फैसला किया।

## न्यूज ब्रीफ

### भारतीय टीम को विश्वकप जिताने वाले कर्स्टन, अब श्रीलंकाई टीम को जीत दिलाने बना रहे रणनीति

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम की 2011 एकदिवसीय विश्वकप जीत के दौरान मुख्य कोच रहे गैरी कर्स्टन

अब श्रीलंकाई टीम के कोच हैं। कर्स्टन भारत और श्रीलंकाई एकादश के अभ्यास मैच के दौरान वह अंतिम दिन बाउंड्री लाइन के करीब घूमते दिखे। कर्स्टन श्रीलंकाई खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देख रहे थे। कर्स्टन की इस दौरान भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार से मुलाकात हुई। कर्स्टन इन दोनो खिलाड़ियों को आईपीएल से ही जानते हैं। कर्स्टन जहां साल 2022 से 2024 तक गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाजी कोच रहे थे। वहीं ये दोनो नेट गेंदबाज थे। भारतीय टीम के थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु से भी कर्स्टन मिले। गौरतलबह है कि कर्स्टन भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कोचों में से एक हैं। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। इसमें साल 2011 का ऐतिहासिक विश्व कप भी शामिल था। तब जिस भारतीय टीम की कमजोरियों को दूर करना कभी उनकी जिम्मेदारी थी, अब उसी के खिलाफ उन्हें श्रीलंकाई कोच- के तौर पर रणनीति बनानी हैं। अभ्यास मैच के आखिरी दिन उन्हें भारत के कई अहम खिलाड़ियों को करीब से देखने और समझने का मौका मिला, जो आगामी सीरीज के लिए उनकी रणनीति में अहम साबित होगा।

### टीम प्रबंधन और सीओई में मतभेद नहीं : लक्ष्मण

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कई प्रमुख खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने के बाद बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के कामकाज पर उठते सवालों के बीच ही इसके प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है टीम प्रबंधन और सीओई के बीच किसी भी प्रकर के मतभेद नहीं हैं। लक्ष्मण ने कहा कि सीओई की भूमिका, खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया, स्पोर्ट्स साइस हेड के खाली पद और फिटनेस मॉनिटरिंग के लिए शुरू किए गए नए ब्रांको टेस्ट को लेकर है। साथ ही कहा कि सीओई की भूमिका केवल चोटिल खिलाड़ियों का इलाज या उनका पुनर्वास (रीहैब) कराना ही नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट को बेहतर खिलाड़ी उपलब्ध कराना है जिससे की खेल के किसी भी स्तर पर टीम के संसाधनों और नई प्रतिभाओं की कमी नहीं पड़े। उनका कहना था कि सीओई एक भारतीय क्रिकेट के भविष्य को बेहतर करने का प्रयास कर रहा है। लक्ष्मण ने किसी भी तरह के विवाद या मतभेद की खबरों को गलत बताते हुए कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व वाले भारतीय टीम प्रबंधन, चयन समिति और सीओई के बीच अच्छा तालमेलहै। उन्होंने कहा, कोई भी किसी पर आरोप नहीं लगा रहा है। सीओई, टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ आपस में मिलकर काम कर रहे हैं और सभी का ध्यान समस्या के मूल कारणों का पता लगाकर उन्हें दूर करना है। लक्ष्मण ने कहा कि खिलाड़ियों की फिटनेस रिपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया के तहत खिलाड़ी के नाम के साथ लगा स्टार यह दिखात है कि उसका चयन फिट होने की शर्त पर किया गया है। यदि किसी खिलाड़ी की रिकवरी धीमी होती है, तो इसकी सीधी और तत्काल जानकारी चयनकर्ताओं और मुख्य कोच को दी जाती है, ताकि वे सही फैसला ले सकें।

### राहुल से बल्लेबाजी टिप्स लेकर सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर भारत को दिलायी जीत

कोलबो। भारतीय टीम ने यहां श्रीलंकाई एकादश के खिलाफ हुए अभ्यास मैच को छह विकेट से जीत लिया। इस मैच में अंतिम दिन भारतीय टीम को जीत के लिए 16 रन बनाने थे जो बल्लेबाजी कर रह मोहम्मद सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर बना लिए। सिराज को इस प्रकार छक्के लगाते देख सभी हैरान हो गये। सिराज की अच्छी बल्लेबाजी के पीछे बल्लेबाज केएल राहुल की मुख्य भूमिका रही। सिराज को एक दिन पहले ही के एल राहुल के साथ हुआ बल्लेबाजी अभ्यास करते देखा गया। इस दैरान राहुल ने उन्हें जरुरी टिप्स दिये। राहुल ने सिराज जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज को कुछ अहम बल्लेबाजी टिप्स दिए जिसका लाभ उन्हें मिला। राहुल ने जो बातें सिराज को बतायीं उससे वह लाभ उठाने में सफल रहे। सिराज ने कठिन हालातों में रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

# एकदिवसीय में एक ही ओवर में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है गिब्स सहित इन बल्लेबाजों के नाम

मुम्बई

दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रहे हर्शल गिब्स सहित कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से एक ही ओवर में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड बनाने के साथ ही मैच का रुख भी बदल दिया। इस दौरान इनके सामने विरोधी टीमों के गेंदबाज बेबस दिखे।

### हर्शल गिब्स

इस सूची में सबसे पहले गिब्स का नाम आता है। साल 2007 के एकदिवसीय विश्व कप में गिब्स ने सेंट किट्स के मैदान पर नीदरलैंड्स के खिलाफ एक ऐतिहासिक पारी खेलकर नया रिकार्ड बनाय। ऐसा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले कभी नहीं हुआ था। लेग स्पिनर डैन वैन बंज के खिलाफ गिब्स ने लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगा दिए और एकदिवसीयइतिहास में एक ओवर में 36 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। वैन इस दौरान गिब्स के सामने असहाय दिखे। यह ओवर विश्व कप इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक बन गया।

### जसकरन मल्होत्रा

वहीं साल 2021 में अमेरिकी बल्लेबाज जसकरन मल्होत्रा ने पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) के खिलाफ अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया। जसकरन ने पीएनजी के गेंदबाज गौडी टोका की सभी छह गेंदों पर छक्के जड़े और गिब्स की तरह एक ओवर में 36 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। जसकरन ने इस प्रकार दिखाया कि एसोसिएट देशों के क्रिकेटर भी किसी मामले में पीछे नहीं हैं।

### शमी फिट है तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ले जाना चाहिये : जहीर

मुम्बई। पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि अगर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिट है तो उन्हें आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये। शमी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की तेज और उछाल भरी पिचों पर शमी काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। शमी ने पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रह हैं। इसके बाद भी उन्हें टीम में वापसी का अवसर नहीं मिल पा रहा रहा है। शमी ने टीम इंडिया के लिए किसी भी प्रारुप में एक साल से नहीं खेला है। इस दौरान हालांकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए और अपनी फिटनेस को भी साबित किया है पर टीम मैनेजमेंट उन्हें लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। जिस प्रकार से टीम मैनेजमेंट आगामी बड़े टूर्नामेंट के लिए युवा तेज गेंदबाजों को अवसर दे रहा है उसका इस अनुभवी तेज गेंदबाज की वापसी कठिन नजर आती है हालांकि कई पूर्व क्रिकेटरों ने शमी की वापसी का समर्थन किया है। वहीं इसी को लेकर जहीर ने कहा, जब कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसे निश्चित रूप से टीम की योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए, शमी को लेकर अभी ऐसा नहीं नहीं दिख रहा है। शमी को विश्व कप के लिए टीम में जगह मिलनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि टीम प्रबंधन इस बारे में क्या सोच रहा है। यह फैसला हेड कोच, चयनकर्ता और कप्तान ही करेंगे पर मेरी राय में अगर शमी फिट और उपलब्ध हैं तो भारत को उनके जैसे अनुभवी गेंदबाज को दक्षिण अफ्रीका ले जाना चाहिए।

### थिसारा परेरा

श्रीलंका के आलराउंडर थिसारा परेरा भी एक धमाकेदार बल्लेबाज रहे हैं। साल 2013 में पालेकेले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने रोबिन पीटरसन के एक ओवर में 35 रन बना दिये। परेरा ने ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाया। जिसके बाद एक वाइड और लगातार तीन छक्के मारे। पांचवीं गेंद पर एक चौका और अंतिम गेंद पर फिर छक्का लगाकर परेरा ने कुल 35 रन बटोरे, इस प्रकार ये एकदिवसीय इतिहास का दूसरा सबसे महंगा ओवर साबित हुआ।

### एबी डिविलियर्स

दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स भी एक आक्रामक बल्लेबाज रहे हैं। साल 2015 विश्व कप के दौरान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर के खिलाफ डिविलियर्स ने चौकों-छक्कों की बौछार कर दी। डिविलियर्स ने ओवर की शुरुआत चौके से की, जिसके बाद अगली गेंद नो-बाल पर छक्का, फिर दो रन, फिर एक और नो-बाल पर चौका। इसके बाद लगातार दो चौके, दो रन और अंतिम गेंद पर एक छक्का। इस प्रकार इस ओवर में उन्होंने 34 रन बटोरे।

### जेम्स नीशम

न्यूजीलैंड के माउंट माउंगानुई मैदान पर साल 2018-19 में न्यूजीलैंड के आलराउंडर जेम्स नीशम ने श्रीलंका के थिसारा परेरा के खिलाफ जमकर शाट खेले। जिस परेरा ने कभी बल्ले से 35 रन बटोरे थे, इस बार वही नीशम के हाथों पिट रहे थे। नीशम ने ओवर की पहली चार गेंदों पर लगातार चार छक्के लगाकर स्टेडियम में सनसनी फैला दी।

# विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप: भारत 27वें स्थान पर, अमेरिका पदक तालिका में शीर्ष पर

ओरेगन

**विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में भारत तीन पदकों के साथ पदक तालिका में 27वें स्थान पर रहा। भारत अंतिम दिन कोई पदक नहीं जीत सका और उसका अभियान दो रजत तथा एक कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ।**

भारत के लिए भाला फेंक में आशीष यादव ने रजत पदक जीता। इसके बाद बसंत कुमार मेघवाल ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक हासिल किया, जबकि शाहनवाज खान ने पुरुषों की लंबी कूद में कांस्य पदक जीतकर भारत को तीसरा पदक दिलाया।

बसंत कुमार मेघवाल का रजत पदक विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की पुरुषों की ऊंची कूद में भारत का पहला पदक था।

वहीं, शाहनवाज पुरुषों की लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बने।

अमेरिका ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। अमेरिका ने कुल 18 पदक जीते, जिसमें 12 स्वर्ण, सात रजत और पांच कांस्य शामिल हैं।

केन्या 11 पदकों के साथ दूसरे और इटली पांच पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 पदक तालिका की स्थिति कुछ इस प्रकार रही...

अमेरिका 12 स्वर्ण, 7 रजत और 5 कांस्य सहित कुल 18 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा।

केन्या 4 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य सहित 11 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

इटली ने 3 स्वर्ण और 2 कांस्य सहित पांच पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

जमैका 2 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य सहित आठ पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा।

आस्ट्रेलिया और इथियोपिया ने छह-छह पदक जीते और संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे।

फ्रांस छह पदकों के साथ सातवें, चीन पांच पदकों के साथ आठवें और चेकिया चार पदकों के साथ नौवें स्थान पर रहा। भारत दो रजत और एक कांस्य सहित कुल तीन पदकों के साथ 27वें स्थान पर रहा।

### वैभव के खिलाफ अगर गेंदबाजी का अवसर मिला तो अपनी रणनीति नहीं बदलूंगा : ब्रेट ली

सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि भारतीय टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आक्रामक अंदाज में खेलते हैं पर इसके बाद भी अगर अन्हें कभी वैभव को गेंदबाजी का अवसर मिला तो अपनी रणनीति नहीं बदलेंगे। इस तेज गेंदबाज का कहना है कि वैभव छक्का लगा देगा ये सोचकर वह अपनी गेंदबाजी में कोई बदलाव नहीं करेंगे। ली अपनी धारदार रफ्तार से बल्लेबाजों को परेशानी में डालने के लिए जाने जाते हैं। उनके बयान से उनकी प्रतिस्पर्धी भावना और हर बल्लेबाज को चुनौती देने की इच्छा सामने आती है। गौरतलब है कि वैभव ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी बल्लेबाजी से दुनिया भर के गेंदबाजों के खिलाफ बड़े शाट लगाये हैं। उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे विश्व स्तरीय और अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ भी आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए लंबे छक्के लगाये हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर हालांकि अब तक वह प्रभावित नहीं कर पाये है। पिछले महीने इंग्लैंड में अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू पर, वह तीन मैचों में संघर्ष करते दिखे और खास तौर पर पिच-अप गेंदों के खिलाफ उन्हें परेशानी हुई।

# डीपीएल: सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 4 विकेट से हराया

### सेंट्रल दिल्ली के बल्लेबाज युगल सैनी ने खेली 91 रन की तूफानी पारी

नई दिल्ली

युगल सैनी की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 19वें मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को चार विकेट से रोमांचक शिकस्त दी।

अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 221 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर दो गेंद शेष रहते जीत हासिल की।

टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स के गेंदबाज साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहे। साउथ दिल्ली ने 20 ओवर में छह विकेट पर 220 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर बल्लेबाज तेजस्वी दहिया ने 31 गेंदों में आठ छक्कों और एक चौके की मदद से 69 रन की विस्फोटक पारी खेली। कप्तान आयुष बडोनी ने 25 गेंदों में 44 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान ने 23 गेंदों में 38 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स की ओर से मनी ग्रेवाल सबसे किफायती गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। गवनीश खुराना ने भी दो विकेट हासिल किए, हालांकि उन्होंने 40 रन खर्च किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स को शुरुआती ओवर में ही झटका लगा और कप्तान यश ढुल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद युगल सैनी ने पारी को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने 45 गेंदों में नौ चौकों और छह गगनचुंबी छक्कों की मदद से 91 रन की शानदार पारी खेली।

सैनी ने केशव डाबास के साथ चौथे विकेट के लिए 96 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। डाबास ने 27 गेंदों में 39 रन बनाए। इसके बाद सैनी ने वंश बेदी के साथ भी 48 रन की तेज साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। वंश बेदी 13 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की ओर से अंशुमान हुड्डा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 33 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। हालांकि, सेंट्रल दिल्ली किंग्स के बल्लेबाजों ने अंतिम ओवरों में धैर्य बनाए रखा और 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर चार विकेट से रोमांचक जीत दर्ज कर ली।

# कुलदीप को लेकर बोले रहाणे, लगातर अंदर बाहर होने से प्रभावित होती है लय

मुम्बई

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे ने कहा है कि लय टूटने से खिलाड़ियों को वापसी के दौरान परेशानी होती है। रहाणे ने ये बात युवा स्पिनर कुलदीप यादव को लेकर कही है। रहाणे के अनुसार कुलदीप को टीम में जिस प्रकार से अंदर-बाहर किया जा रहा है उससे उनका प्रदर्शन प्रभावित हो रहा है।

रहाणे ने कहा कि अंतिम ग्यारह में अगर किसी खिलाड़ी को बार-बार अंदर-बाहर किया जाता है तो लय खराब होने के साथ ही उसका मनोबल भी कम होता है। -रहाणे ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि कुलदीप के श्रीलंका के बीच आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है और ये पूरी संभावना है कि वह उन्हें, भारतीय स्पिन चौकड़ी का हिस्सा बनाया जा सकता है। वहीं इससे पहले उन्हें इंग्लैंड दौरे में जगह नहीं मिली थी।

रहाणे ने कहा, मुझे लगता है कि कुलदीप ने पिछले चार-पांच सालों में अपने खेल में काफी सुधार किया है। उन्होंने अपनी गेंदों की गति और विविधता पर काम किया है। अंतिम ग्यारह में बार-बार अंदर-बाहर होने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए यह हालांकि कठिन होता है, क्योंकि क्रिकेट लय का खेल है, चाहे आप बल्लेबाजी कर रहे हों या गेंदबाजी। रहाणे ने कुलदीप की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें एक बेहतरीन स्पिनर और मैच विजेता खिलाड़ी करार दिया।

गौरतलब है कि कुलदीप ने साल 2017 में धर्मशाला में अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। रहाणे ने उसी डेब्यू मैच को याद करते हुए कहा, कुलदीप एक बेहतरीन स्पिनर हैं। इसीलिए मैंने धर्मशाला में उन पर भरोसा जताया था। मुझे पता था कि वो विकेट लेने में माहिर हैं। हालांकि उस समय वो अनुभवी नहीं थे, लेकिन मुझे विश्वास था कि उन्हें उस स्थिति में उतारना फायदेमंद होगा। गौरतलब है कि अपने लगभग नौ साल के करियर में, कुलदीप केवल 18 टेस्ट मैच ही खेल पाए हैं, जिनमें उनके नाम 79 विकेट हैं। भारतीय टीम में उनका चयन अनियमित रहा है, जिससे उन्हें लगातार मौके नहीं मिल पाए हैं, और यही उनके करियर में उतार-चढ़ाव की मुख्य वजह रही है।

रहाणे ने कहा कि खिलाड़ियों को लगातार समर्थन देना बेहद जरुरी है, खासकर वे जो मैच जिताने की क्षमता रखते हों। उन्होंने आगे कहा, एक टेस्ट खेलने के बाद अगले चार-पांच टेस्ट में बेंच पर बैठना आसान नहीं होता। लय बहुत जरूरी है, खासकर गेंदबाजों के लिए। रहाणे ने कुलदीप के प्रदर्शन में सुधार और उनकी बढ़ी हुई आत्मविश्वास पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, हर दिन गेंद आपके हाथ से एक ही तरह से नहीं निकलती।

## अवसाद को करें इस तरह दूर

अगर आप अवसाद से पीड़ित हैं, तो आपको थकान, लाचारी, और नाउम्मीदी का एहसास हो सकता है। लेकिन यह जानना बेहद जरूरी है कि ये सारी मनोदशाएं अवसाद का हिस्सा हैं और ये सही स्थिति को ठीक ढंग से नहीं दर्शाते हैं। जैसे जैसे आप अपने अवसाद को पहचानने लग जाएंगे और उपचार की शुरूआत कर देंगे, तब नकारात्मक विचार गायब होते चले जाएंगे।

## बच्चे की खांसी का कारण निमोनिया तो नहीं?

बारिश और सर्दियों के मौसम के साथ ही मौसम परिवर्तन के दौर में निमोनिया होने की संभावना बढ़ जाती है। बारिश में इस बीमारी के संक्रमण ज्यादा फैलते हैं। ऐसे में थोड़ी एहतियात और डॉक्टर से परामर्श जरूरी हो जाता है। सन के बीज, तिल और शहद के मिश्रण में एक चुटकी नमक डालकर पानी मिला लें। इसके सेवन से पसलियों में आने वाली सूजन कम होगी।

# तंत्रिका दोषों को रोकने में मददगार है हेजलनट

**हल्का** मीठा और स्वादिष्ट हेजलनट में कई बीमारियों से शरीर की रक्षा करने की क्षमता है। हल्का मीठा और स्वादिष्ट हेजलनट फिल्बर्ट के रूप में जाना जाता है। हालांकि दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है, लेकिन तुर्की, इटली और अमेरिका में इसका उत्पादन बहुत अधिक होता है। इस नट का रंग पीले से भूरा होता है और आकार में गोलाकार से अंडाकार होता है। मार्बल आकार के इस नट में पोषक तत्वों की विस्तृत श्रृंखला पाई जाती है। यह स्वादिष्ट फल वजन कम करने और दिल के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। हेजलनट में कई बीमारियों से शरीर की रक्षा करने की क्षमता है। आइए हेजलनट के ऐसे की कुछ अद्भुत स्वास्थ्य गुणों की जानकारी लेते हैं।

### दिल के लिए लाभकारी

हेजलनट असंतृप्त वसा से भरपूर होता है, यह दिल की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। हेजलनट में ओलिक एसिड खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और ब्लड में अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। नियमित रूप से हेजलनट के सेवन से कोलेस्ट्रॉल को 27 प्रतिशत कम किया जा सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि हेजलनट के सेवन से रक्त वाहिकाओं में बाधा और धमनी की दीवारों पर जमा होने वाले खराब कोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीकरण को कम किया जा सकता है। नियमित रूप से हेजलनट का सेवन करने वाले लोगों में दिल के दौरे के कारण होने वाली मौत का जोखिम 50 प्रतिशत कम होता है। इसके अलावा इसमें दिल को स्वस्थ रखने के लिए मैग्नीशियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

### फोलेट और विटामिन ई से भरपूर

अधिकांश नट्स के विपरीत, हेजलनट फोलेट का बहुत अच्छा स्रोत हैं। फोलेट गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह मेगालोब्लास्टिक एनीमिया और बच्चों के तंत्रिका दोषों को रोकने में मदद करता है। इसके अलावा हेजलनट विटामिन ई को बहुत अच्छा स्रोत है। विटामिन ई लाल रक्त कोशिकाओं के विघटन को रोकता है और एनीमिया के जोखिम को कम करता है। ब्लड का सही सर्कुलेशन प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत रखने, बुखार, सर्दी और अन्य बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है।

### मांसपेशियों और हड्डी स्वास्थ्य के लिए अच्छा

मैग्नीशियम कैल्शियम की मात्रा को शरीर में लाने और बाहर ले जाने के लिए विनियमित करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कैल्शियम की उचित मात्रा मांसपेशियों के संकुचन को बढ़ावा और रिलैक्स करने में मदद करती है। यह मांसपेशियों में तनाव, दर्द, ऐंठन, थकान, और ऐंठन से बचाती है। मैग्नीशियम का उच्च स्तर मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा हेजलनट मैंगनीज से भी भरपूर होता है। यह मिनरल हड्डियों के विकास और मजबूती के लिए आवश्यक होता है। हेजलनट में मैगनीशियम स्केलेटल सिस्टम की संरचना और शक्ति के निर्माण के लिए बहुत उपयोगी होता है। यह बोन मिनरल घनत्व को बढ़ाता और ऑस्टियोपोरोसिस से लड़ता है।

### कैंसर से बचाव

हेजलनट कैंसर कोशिकाओं के विकास का नेतृत्व करने वाले कारक को खत्म करने के लिए जाना जाता है। यह शरीर में मौजूद दुष्ट कोशिकाओं को शांत करने में मदद करता है। हेजलनट में पाया जाने वाला बीटा-सिटोस्टेरोल स्तन और प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम करता है। कई अध्ययनों के निष्कर्षों के अनुसार, हेजलनट में अल्फा-टोकोफेरॉल, एक प्रकार का विटामिन ई ब्लैडर कैंसर के खतरे को लगभग आधा कर देता है। इसके अलावा हेजलनट में मैंगनीज की प्रचुर मात्रा में लंबे समय तक कैंसर से शरीर की रक्षा करती है। मैंगनीज कैंसर एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम का एक घटक है जो कैंसर से रक्षा करने कोशिकाओं के माइटोकॉन्ड्रिया में उत्पादित होता है।

## इस तरह करें

# टेनिस एल्बो का घरेलू उपचार

टेनिस खिलाड़ियों को लंबे समय तक रैकेट पकड़कर खेलने और कोहनी की हड्डी व मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने के कारण टेनिस एल्बो की समस्या होती है। यहां टेनिस एल्बों के लिए सबसे अच्छे घरेलू उपचारों की जानकारी दी गई हैं। लेकिन इसके अलावा उचित निदान और उपचार के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श करें।

**प्राकृतिक** उपायों से टेनिस एल्बो के दर्द को दूर किया जा सकता है। यह बीमारी टेनिस खिलाड़ियों को लंबे समय तक रैकेट पकड़कर खेलने और कोहनी की हड्डी व मांसपेशियों पर दबाव पड़ने के कारण होने वाले नुकसान से होती है। इसलिए इसे टेनिस एल्बो कहा जाता है। टेनिस एल्बो होने पर कोहनी में दर्द होता है, कभी-कभी यह दर्द असहनीय हो जाता है, संवेदनशीलता के कारण कोहनी और कलाई में सूजन आ सकती है। हाथ उठने में परेशानी होती है, उंगलियां भी इसके कारण प्रभावित हो सकती हैं, कलाई और घुटने के बीच के हिस्से में भी दर्द होता है। टेनिस एल्बो से बचने के किसी रास्ते के बारे में अभी तक जानकारी नहीं है। हालांकि, कुछ घरेलू उपाय अपनाकर इसे बढ़ने से जरूर रोका जा सकता है। इन उपायों को अपनाकर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है।

### बर्फ की सिकाई

कोहनी पर बर्फ लगाना दर्द और सूजन को कम करने का सबसे सरल और आसान तरीकों में से एक है। बर्फ इस समस्या की प्रगति को रोकने में भी आपकी मदद करता है। बर्फ की बजाय आप जमे हुए मटर बैग का उपयोग भी कर सकते हैं। एक पतले तौलिये में बर्फ के कुछ टुकड़ों को लपेटें। अपनर कोहनी को तकिये और किसी गद्देदार क्षेत्र में आराम से रखें। फिर प्रभावित जगह पर धीरे से तौलिया को रखें। 10 से 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। दर्द दूर होने तक इस उपाय को दिन में कई बार दोहराये। लेकिन एक बात को हमेशा ध्यान में रखें कि बर्फ को सीधे त्वचा पर न लगाएं।

### कंट्रास्ट हाइड्रोथेरेपी यानी ठंडी और गर्म सिकाई

कंट्रास्ट हाइड्रोथेरपी का मतलब है, प्रभावित क्षेत्र में ठंडा और गर्म सेंक करना, कंट्रास्ट हाइड्रोथेरेपी टेनिस एल्बो के लिए एक और बहुत अच्छा उपाय है। गर्म ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने और दर्द को कम करने और ठंडा सेक सूजन को कम करने में मदद करता है। एक पतले तौलिये में गर्म पानी की बोतल लपेटें और दूसरे तौलिये में कुछ बर्फ को लपेटें। फिर लगभग तीन मिनट के लिए प्रभावित अंग पर गर्म सेक करें। अब गर्म सेक को हटाकर एक मिनट के लिए ठंडा सेक को प्रभावित हिस्से पर रखें। इस उपाय को 15 से 20 मिनट के लिए करें। राहत पाने के लिए इस उपाय को दिन में एक बार जरूर करें।

### प्राकृतिक दर्द निवारक हल्दी

हल्दी में पाया जाने वाला कुरकुमीन नामक तत्व, एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट और प्राकृतिक दर्द निवारक दवा के रूप में काम करता है। इसके अलावा, हल्दी एंटीऑक्सीडेंट का समृद्ध स्रोत होने के कारण फ्री रेडिकल्स से लड़ने और उपचार को गति प्रदान करने में मदद करता है। एक कप दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर उसे हल्का सा गर्म लें। फिर इसमें थोड़ी सा शहद मिलाकर कुछ हफ्तों के लिए दिन में दो बार पीएं।

### दर्द दूर करें अदरक

अदरक में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण, टेनिस एल्बो के लक्षणों को दूर करने में बहुत मददगार होते हैं। अदरक की जड़ के एक छोटे से टुकड़े को काटकर उसे दो कप पानी में मिलाकर दस मिनट के लिए उबालें। फिर हल्का ठंडा होने पर उसमें शहद मिलाएं। इस मिश्रण को दिन में तीन बार तब तक पीएं जब तक की दर्द दूर न हो जाए।

### मसाज के फायदे

कैलेंडुला और एवोकैडो ऑयल से दर्द वाले हिस्से पर मालिश करना भी टेनिस एल्बो का एक और प्रभावी घरेलू उपाय है। कैलेंडुला और एवोकैडो दोनों तरह के तेल सूजन और दर्द से राहत देने में मदद करते हैं। इसके अलावा, मालिश रक्त परिसंचरण में सुधार और दर्द वाली मांसपेशियों को आराम देती है। दर्द के दूर होने तक दिन में दो से तीन बार मालिश करनी चाहिए।

### हर्ब यानी सेंट जॉन पौधा

एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों के कारण सेंट जॉन पौधा टेनिस एल्बो को ठीक करने में आपकी मदद करता है। इसके अलावा यह दर्द से राहत देने के लिए एक एनाल्जेसिक के रूप में काम करता है। दो चम्मच सूखे सेंट जॉन के पौधे को एक कप गर्म पानी मे लेकर उबाल लें। फिर इसे 10 मिनट के लिए कवर करके रख दें। थोड़ा सा ठंडा होने पर इसमें शहद मिला लें। दर्द के दूर होने तक इस हर्बल चाय को दिन में दो बार लें। डॉक्टर से दवाएं लेने पर इस हर्ब के इस्तेमाल से बचें।

### ठीक होने की प्रक्रिया में तेजी लाए मेथी

मेथी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों के कारण यह सूजन को कम करने में आपकी मदद करता है। और ठीक होने प्रक्रिया को गति प्रदान करता है। एक चम्मच मेथी के बीज को आप गुनगुने पानी को ले सकते हैं। या एक या दो बड़े चम्मच मेथी के बीज के पाउडर में पर्याप्त मात्रा में दूध बनाकर पेस्ट बनाकर प्रभावित अंग पर इस पेस्ट को लगाए। और एक या दो घंटे के लिए छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी इसे इसे धो लें। दर्द के दूर होने तक इस उपाय को दिन में एक बार करें।

# गठिया में लाभकारी पोकवीड हर्ब्स

**पोकवीड** एक बारहमासी जड़ीबूटी है, जो पूर्वी उत्तर अमेरिका का मूल निवासी है और दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है। इसके बेरीज् और सूखी जड़ों का इस्तेमाल हर्बल उपचार में किया जाता है। पोकवीड सप्लीमेंट अर्क, टिंचर, पाउडर और पुलटिस के रूप में उपलब्ध है। पोकवीड के लिए कोई मानक खुराक निश्चित नहीं हैं।

**पोकवीड के गुण:** पोक एंटीबायोटिक, एंटी-इंफ्लेमेंटरी, एंटी-रूमेटिक, एंटी-स्कर्वीजनक, एंटी-सिफिलिटिक और एंटी-ट्यूमर के रूप में कार्य करता है। इस संयंत्र के कुछ हिस्सों जैसे बेरीज् और जड़ों को हर्बल उपचार के लिए उपयोग किया जाता है। पोकवीड एक तीखी कड़वी जड़ी-बूटी है जो प्रतिरक्षा और लसीका प्रणालियों के कार्य में मददगार होती है।

**पोकवीड को इस्तेमाल कैसे करें:** परंपरागत रूप से, पोकवीड के लाल पत्तों को लाकर पानी में उबलकर, अच्छे से निचोड़कर निकाल लें। फिर एक बार और उबला लें। ऐसा कम से कम तीन बार करना चाहिए और हर बार पानी को बाहर फेंक देना चाहिए। इन उबले हुए पत्तों का इस्तेमाल सलाद के रूप में या चाय के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा, यंग शूट को शतावरी के विकल्प के रूप में भी खाया जा सकता है। बेरीज् से रेड जूस निकाल कर फिर इसे पकाया जाता है। इस जूस का इस्तेमाल पाई बनाने के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल अन्य जूस में जेली बनाने के लिए भी किया जाता है। पोकवीड के किसी भी हिस्से को कच्चा, असंसाधित नहीं खाया जा सकता है।

**महिलाओं के लिए पोकवीड:** पोकवीड महिलाओं की कई विशिष्ट बीमारियों को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एंडोमेट्रिओसिस, पोकवीड के निर्धारित उपयोग के साथ हटाया जा सकता है। पीरियड्स से पहले ब्रेस्ट और पेट में दर्द को भी इसके इस्तेमाल से दूर किया जा सकता है। पोकवीड की जड़ में थोड़ी सी मात्रा मे तेल मिलाकर पेट पर हल्के हाथों से रगड़ने से आराम मिलता है। वैकल्पिक रूप से टिंचर की कम खुराक इस्तेमाल की जानी चाहिए। इन्टर्स्टिशल सिस्टाइटिस एक और भड़काऊ बीमारी है जिसे इसी टिंचर से ठीक किया जा सकता है। बवासीर के दर्द को भी इसकी जड़ों के सत्व से ठीक किया जा सकता है।

### बीमारियों के लिए पोकवीड

पोकवीड की जड़ का इस्तेमाल दर्दनाक मसल्स, जोड़ों (गठिया) के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही यह नाक, गला, और सीने में सूजन के अलावा टांसिलाइटिस, कर्कश गले, लसीका ग्रंथियों की सूजन, ब्रेस्ट में दर्द और सूजन किया जाता है। परंपरागत रूप से, हालांकि, पोकवीड जड़ का इस्तेमाल कभी कभार ही करना चाहिए। अमेरिका के मूल निवासी पोकवीड का चिकित्सा के रूप में इसकी जड़ का सबसे आम उपयोग उल्टी को प्रेरित करने के लिए रेचक के रूप में होता है। बेरीज् को भोजन में रंग एजेंट के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, और वास्तव में अभी भी खाद्य उद्योग में इसका प्रयोग किया जाता है। जब इसे कच्चा खाया जाता है तो संयत्र द्वारा उत्पादित एंजाइम जैसे लेक्टिंस लाल रक्त कोशिकाओं आपस में जुड़ जाती है। लेक्टिंस चिपकने वाले प्रोटीन हैं। ऐसे लेक्टिंस जो ब्लड टाइप के साथ मेल नही खाते, शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। भोजन से आने वाले कई लेक्टिंस हानिकारक नहीं होते हैं, लेकिन थोड़ा बहुत असर होता है। अगर ये लेक्टिंस ब्लड ग्रुप के साथ मेल नहीं खाता, तो शरीर में जलन, सूजन हो सकती है। पोकवीड को अवसादरोधी दवाओं, डिसुलफिरम (Antabuse), ओरल गर्भ निरोधकों और प्रजनन की दवाएं ले रहे लोगों को द्वारा प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। हमेशा किसी भी जड़ी बूटियों को लेने से पहले अपने चिकित्सक और फार्मासिस्ट को बताएं।

## डिप्रेशन के दौरान स्वयं बदलें अपनी मानसिक हालत

# थोड़े से बदलाव से पाएं बड़ी राहत

**वर्तमान समय में डिप्रेशन का दायरा सभी उम्र वर्ग में फैलता जा रहा है। बच्चों युवाओं और बुजुर्गों तक में यह बीमारी घर कर चुकी है डिप्रेशन के कारण न तो कोई काम ठीक से हो पाता है और ना ही कोई सुख मिल पाता है। डिप्रेशन से बाहर आने के लिए के लिए किए कुछ ऐसे काम हैं जो मददगार साबित होते हैं। इनसे उदासी दूर होती है और मन प्रसन्न होता है...**

डिप्रेशन सिर्फ बीमारी नहीं है और न ही दिमागी फितूर। यह एक ऐसी मानसिक हालत है, जिसमें पॉजिटिव सोचने और बेहतर रिजल्ट तक पहुंचने की इंसान की कैपैसिटी कम हो जाती है। वक्त पर इलाज और करीबियों का साथ इस बीमारी से निपटने में अहम भूमिका निभाता है। उलझे सवाल, निराश करने वाले जवाब और अनिश्चितता किसी इंसान को उस मोड़ पर ले जाती है, जहां उम्मीदें काफी बेहद कम नजर आती हैं। जब स्थिति नाजुक मोड़ पर पहुंच जाती है तो नतीजे खतरनाक हो जाते हैं। जरूरत है तो इस पर वक्त रहते ध्यान देने और सही इलाज की।

### वॉक के साथ योग

दस मिनट की वॉक आपका मूड लंबे समय के लिए सुधार देती है। लय व ताल वाले व्यायाम जैसे तैरना, नृत्य, योग, साइकलिंग करें। लय-ताल से इनमें ध्यान का तत्व भी जुड़ जाता है। सुबह की गई वॉक मन को और भी ज्यादा प्रसन्नचित करती है और अच्छी शुरुआत पूरे दिन को बेहतर बनाती है।

### डॉक्टर पर न रहें निर्भर

ज्ञान ही शक्ति है। सिर्फ डॉक्टर पर निर्भर न रहें। किताबों, इंटरनेट आदि से अवसाद के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानें। इससे आप अपनी स्थिति का ठीक-ठीक अहसास होगा और उचित उपचार ले सकेंगे। साथ ही नित नई जानकारी पा आप खुद को मानसिक रूप में तरोताजा भी रख पाएंगे।

### चीनी आर्ट भी फायदेमंद

यदि आप चाहें तो चीनी मार्शल आर्ट ताई ची का अभ्यास कर सकते हैं। यह धीरे, तालबद्ध और हल्के तरीक से शारीरिक मुद्राएं बनाने का व्यायाम है। इस आर्ट की जानकारी यूट्यूब पर मिल सकती है। इससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ जाता है।

## रेसिपी

### खाखरा चाट

**सामग्री**

2 कप दरदरे क्रश किए हुए गेहूं से बने खाखरे, 2 स्पून तेल, 1 स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1/2 कप उबले हुए हरे मटर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 स्पून नींबू का रस

**विधि**

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भून लें। टमाटर, हरे मटर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला ले और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। धनिया और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। परोसने के तुरंत पहले, क्रश किए हुए खाखरा और तैयार मिश्रण को मिलाकर हल्के हाथों मिला लें। तुरंत परोसें।

### बाजरा चकली

**सामग्री**

1/2 कप बाजरे का आटा, 1/2 कप गेहूं का आटा, 1 टी-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, 2 टेबल-स्पून मक्खन (समान्य तापमान पर), 1 टेबल-स्पून दही, तेल, तलने के लिए

**विधि**

बाजरे का आटे, गेहूं के आटा, लहसुन, कलौंजी, हरी मिर्च का पेस्ट और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। मक्खन को आटे के मिश्रण मे मिलाकर उंगलियों से मसलते हुए दरदरा मिश्रण बना लें। दही और थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। मिश्रण को चकली के सांचे में डालकर, न्यूसपेपर या एल्यूमीनियम फॉयल पर गोल-गोल आकार में, अंदर से बाहार की ओर लेते हुए चकली बना लें लगभग 50 मिमी । ऐसा करने से 15 से 17 चकली बनेंगे। एक गहरी कढ़ाई में तेल गरम करें, प्रत्येक चकली को हलके हाथों से चम्मच का प्रयोग कर उठाकर डालें, मध्यम आंच पर उनके दोनो तरफ सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। ठंडा कर हवा बंद डब्बे में रख कर संचय करें।

# ...तो कभी कम नहीं हो सकता मोटापा

मोटापा एक ऐसी बीमारी है,जिसे नियंत्रण करना बहुत ही मुश्किल काम है। आज हर 5 में से 3 शख्स इस बीमारी की चपेट में हैं। हालांकि मोटापे का शिकार होने का जिम्मेदार इंसान खुद ही है। जंक फूड, अनियमित भोजन, तनाव और पूरी नींद न लेना ही वजन बढ़ने का मुख्य कारण है। वहीं मोटापा कई और बीमारियों की जड़ भी बनती है। आज हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह से अपने मोटापे पर काबू पा सकत हैं।

### सिर्फ सोचने से नहीं चलेगा काम...

मोटापे का शिकार हर शख्स यहीं सोचता है कि अब कुछ भी हो जाए वह कल अपनी डाइटिंग और एक्सरसाइज की तरफ ध्यान देगा, लेकिन कुछ गंदी आदतें ऐसी हैं जो उसे पतला होने नहीं देती। अगर आप अपने खाने-पीने पर कंट्रोल नहीं करते हैं, तो आप लाख कोशिश कर लें, आप कभी भी पतले नहीं हो सकते।

### रोज शराब पीने की लत को सुधारें

डिनर के साथ जो लोग शराब पीते हैं। उनके पेट में तो सीधे तौर पर शक?कर जा रही है, जो उ-?हें कभी पतला नहीं होने देगी। वहीं, अगर आप अपनी इस आदत को थोड़ा काबू कर लें और कुछ दिनों में केवल एक बार शराब का सेवन करें तो आपका मोटापा तेजी से घटेगा।

**रोज व्यायाम करने का प्रयास करें:** अगर आप अपने शरीर को लगातार काम नहीं करवा रहे हैं और खाकर सोफे पर पड़े रहते हैं, तो आप कभी पतले नहीं हो सकते। बॉडी फैट को घटाने के लिए शरीर को वर्कआउट करवाएं और खूब पसीना बहाएं। इससे आपका वेट अपने आप कम होगा। शरीर से पसीने के रास्ते कई बीमारियां भी निकल जाती हैं।

### मीठा खाने की आदत पर करें कंट्रोल

बात चाहें ब्रेकफास्ट की हो, पैक दही की या चाय कॉफी की, आपको हर किसी चीज में शुगर यानी मीठे की मात्रा तो मिल ही जाएगी जो शरीर में इक्ट्ठी होकर चर्बी का रूप ले लेती है इसलिए बाजार से कोई भी चीज खरीदने से पहले लेबल पर उसके शुगर कंटेंट के बारे में पढ़ लें।

### डेली डेजर्ट न खाएं

लोगों को इतना मीठा खाने की आदत पड़ चुकी है उन्हें रोज खाना खाने के बाद कुछ मीठा चाहिए, लेकिन डेजर्ट में काफी गुना शुगर होती है, जिसको रात में खाने से मोटापा काफी तेजी से बढ़ता है।

### ज्यादा खाने से करें परहेज

बहुत सारे लोगों को ऑफिस या फ्री टाइम में बैठकर कुछ न कुछ खाने की आदत होती हैं। अगर आप भी यहीं कुछ करते हैं, तो आपका पेट कभी कम नहीं होगा। पैकेट बंद स्नैक्स में काफी मात्रा में सोडियम, कार्बोहाइड्रेट् और शुगर होते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**